लखनऊ

हिंदी दैनिक

आर्यावर्त क्रांति

मंगलवार, 21 अप्रैल, 2026

वर्ष : 11 | अंक : 237

मूल्य : 1 रुपये

पृष्ठ : 8

UPHIN/2014/57034

"रोज़ खुद को याद दिलाओ कि तुम जितना सोचते हो, उससे कहीं ज़्यादा मजबूत और काबिल हो।"

TODAY WEATHER

DAY 28° Hi

NIGHT 17° Low

संक्षेप

पृथ्वी के छिपे हुए राज खोलेगा नासा का नया सैटेलाइट, अंतरिक्ष मौसम तक की मिलेगी सटीक जानकारी

नई दिल्ली। अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा ने एक छोटे लेकिन महत्वपूर्ण सैटेलाइट को हाल ही में लॉन्च किया है, जो पृथ्वी से निकलने वाली प्राकृतिक और मानव-निर्मित रेडियो तरंगों का अध्ययन कर रहा है। यह मिशन वैज्ञानिकों को पृथ्वी के आसपास के अंतरिक्ष वातावरण को बेहतर समझने और अंतरिक्ष मौसम का सटीक पूर्वानुमान लगाने में मदद करेगा। कैनवास (क्लाइमेटोलॉजी ऑफ एंथ्रोपोजेनिक एंड नेचुरल वीएलएफ वेव एक्टिविटी इन स्पेस) नामक यह क्यूबसैट 7 अप्रैल 2026 को कैलिफोर्निया के वैंडेनबर्ग स्पेस फोर्स बेस से मिनोटौर ढ्ढङ्क रॉकेट के जरिए लॉन्च किया गया था। यह अमेरिकी रक्षा विभाग के स्पेस टेस्ट प्रोग्राम एस29ए (एसटीपी-एस29ए) मिशन का हिस्सा रहा। वहीं, नासा की क्यूबसैट लॉन्च इनिशिएटिव (सीएलआई) के तहत इसकी लॉन्च व्यवस्था की गई थी। कैनवास एक 4यू क्यूबसैट है, जिसे कोलोराडो यूनिवर्सिटी, बोल्डर ने विकसित किया है। इसका मुख्य काम पृथ्वी की निचली कक्षा से बहुत कम आवृत्ति वाली (वीएलएफ) रेडियो तरंगों को मापना है। ये तरंगें बिजली गिरने और जमीन पर स्थित ट्रांसमीटर्स से उत्पन्न होती हैं। यह मापता है कि ये तरंगें पृथ्वी के आयनमंडल (वायुमंडल का ऊपरी विद्युत आवेशित हिस्सा) से गुजरकर मैग्नेटोस्फीयर तक कितनी मात्रा में पहुंचती हैं। वीएलएफ तरंगें अंतरिक्ष में फंसे हाई एनर्जी वाले इलेक्ट्रॉन्स के रास्ते को थोड़ा बदल सकती हैं। इससे कभी-कभी ये इलेक्ट्रॉन विकिरण पट्टियों से निकलकर वायुमंडल में प्रवेश कर जाते हैं।

चोरी करने के बाद एसी चलाकर 6 घंटे तक सोता रहा चोर, फिर निकल गया..सीसीटीवी देख पुलिस भी हैरान

नवसारी। गुजरात में इन दिनों पड़ रही भीषण गर्मी ने आम इंसान ही नहीं, बल्कि चोरों का भी हाल बेहाल कर दिया है। नवसारी से एक बेहद ही चौंकाने वाला और अनोखा मामला सामने आया है। यहां एक चोर ने न सिर्फ एक ऑफिस में हाथ साफ किया, बल्कि तसल्ली से एसी (रष्ट) चालू करके करीब छह घंटे तक चैन की नींद ली। सुबह होने से ठीक पहले वह वहां से रफूचक्कर हो गया। यह पूरी हैरान करने वाली वारदात वहां लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है, जिसे देखकर हर कोई दंग है। चोरी की यह अजीबोगरीब घटना नवसारी के जुनाथाना इलाके में हुई है। जानकारी के मुताबिक, एक नकाबपोश चोर रात करीब 10 :26 बजे ताला तोड़कर एक एडवरटाइजिंग (विज्ञापन) एजेंसी के ऑफिस में दाखिल हुआ। उसने बड़े आराम से ऑफिस के दराज खंगाले और वहां रखे 60,000 रुपये नकद व 10 ग्राम चांदी पार कर दी। इस पूरी वारदात में चोर ने कुल 64,000 रुपये के माल पर हाथ साफ किया। चोरी की घटना को अंजाम देने के बाद आमतौर पर तस्कर तुरंत भागने की फिराक में रहते हैं, लेकिन इस शातिर चोर का अंदाज बिल्कुल अलग था। बाहर की तपती गर्मी से बचने के लिए उसने भागने के बजाय ऑफिस का एयर कंडीशनर (रष्ट) चालू कर दिया और कुर्सी पर बैठकर आराम करने लगा। ऑफिस के सीसीटीवी फुटेज खंगालने पर पता चला कि यह चोर रात 10 :26 बजे घुसा था और तड़के 4 :53 बजे तक ऑफिस के अंदर ही मौजूद रहा।

आरएसएस प्रमुख ने लोगों से संस्कृत सीखने का आग्रह किया, कहा- यह राष्ट्र की आत्मा है

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने सोमवार को संस्कृत सीखने के महत्व पर जोर देते हुए इसे भारत की आत्मा और देश की सभ्यतागत निरंतरता का एक अनिवार्य तत्व बताया। आरएसएस के प्रमुख मोहन भागवत दिल्ली में संस्कृत भारती के केंद्रीय कार्यालय के उद्घाटन समारोह में बोल रहे थे।

इस कार्यक्रम में संस्कृत को आधुनिक संचार माध्यम के रूप में उपयोग करने के लिए चल रहे प्रयासों के बारे में विस्तार से बताया। सभा को संबोधित करते हुए भागवत ने कहा, संस्कृत एक भाषा है। फिर भी, यह मात्र एक भाषा नहीं है। भारत में, संस्कृत राष्ट्र की आत्मा है क्योंकि यह विचार, जीवन और संस्कृति की सबसे प्राचीन परंपरा है एक ऐसी परंपरा जो आज भी जीवंत है जो भारत में विद्यमान है।

उन्होंने भारत के दार्शनिक विचार को और विस्तार से समझाते हुए कहा, भारत का अस्तित्व मात्र एक भौगोलिक तथ्य नहीं है। यह महज एक राजनीतिक या आर्थिक इकाई नहीं है। भारत एक जीवंत परंपरा है, वह आधारशिला जिस पर जीवन की निरंतरता टिकी हुई है।

भाषा के साथ अपने अनुभवों पर विचार करते हुए, भागवत ने कहा, बचपन में जब स्कूल में संस्कृत पढ़ाई जाती थी, तो यह कठिन लगती थी। पाठ्यक्रम में श्लोकों को याद करना अनिवार्य था, जिससे यह धारणा बनी कि संस्कृत एक कठिन भाषा है। फिर भी, जब मैंने उन्हीं श्लोकों को घर पर स्वाभाविक रूप से बोलते हुए सुना, तो वे मुझे कभी भी कठिन नहीं लगे।

उन्होंने कहा, यह समस्या आज भी बनी हुई है, छात्र संस्कृत को एक कठिन भाषा मानते हैं। लेकिन सवाल यह है कि यह इतनी कठिन क्यों लगती है? वास्तव में, किसी भाषा को सीखने का सबसे सरल और प्रभावी तरीका पाठ्यपुस्तकों के माध्यम से नहीं, बल्कि बातचीत के माध्यम से है।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भाषा सीखने का सबसे आसान तरीका उसमें पूरी तरह डूब जाना और नियमित रूप से उसका उपयोग करना है। उन्होंने कहा, जब भी मैं भारत भर में यात्रा करता हूं, भले ही मुझे विभिन्न क्षेत्रीय भाषाओं की विशिष्ट शब्दावली का ज्ञान न हो, फिर भी मैं अंतर्निहित भाव और अर्थ को समझ पाता हूं। निरंतर सुनने और बोलने से भाषा सहजतापूर्वक और बिना किसी प्रयास के सीखी जा सकती है। इसलिए, भाषा सीखने का सबसे अच्छा तरीका है कि आप उस भाषा को बोलने वाले लोगों के बीच रहें, उन्हें सुनें और लगातार उस भाषा को बोलें।

आरएसएस प्रमुख ने संस्कृत में रुचि को पुनर्जीवित करने में संस्कृत भारती की भूमिका की भी सराहना करते हुए कहा कि संगठन अपेक्षाकृत कम समय में पूरे देश में संस्कृत में नई रुचि पैदा करने में सफल रहा है। उन्होंने आगे कहा कि पिछले 15 वर्षों में संस्कृत के प्रति सामाजिक दृष्टिकोण में आया परिवर्तनकारी बदलाव स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है।

आईएमडी ने जारी किया भयंकर हीटवेव का अलर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने देश के कई हिस्सों में जानलेवा गर्मी और लू को लेकर सख्त चेतावनी जारी की है। आने वाले कुछ दिन कई राज्यों के लिए भारी पड़ने वाले हैं। मौसम विभाग के अनुसार, पश्चिमी मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़ के कुछ इलाकों में 23 अप्रैल तक भीषण हीटवेव का अलर्ट जारी किया गया है। इसके साथ ही पूर्वी उत्तर प्रदेश, पूर्वी राजस्थान और पूर्वी मध्य प्रदेश में 20 और 21 अप्रैल को लू के थपेड़े लोगों को परेशान कर सकते हैं। झारखंड में 22 अप्रैल तक और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 23 अप्रैल तक हीटवेव का अलर्ट है। वहीं, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और ओडिशा में भी हीटवेव की प्रबल संभावना बनी हुई है। महाराष्ट्र के गोंदिया जिले में भीषण गर्मी का प्रकोप इस कदर बढ़ गया है कि यहां पारा 43 डिग्री सेल्सियस को छू गया है। चिलचिलाती धूप और लू ने आम जनजीवन पूरी तरह से बेहाल कर दिया है।

'आईटी, ईडी और सीबीआई भाजपा के राजनीतिक हथियार', विधायकों के बेटों के खिलाफ छापेमारी बोले प्रियांक

नई दिल्ली, एजेंसी। कर्नाटक के मंत्री प्रियांक खरगे ने सोमवार को आयकर विभाग (आईटी), प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) पर भाजपा के राजनीतिक औजार के रूप में काम करने का आरोप लगाया। मीडियाकर्मियों से बात करते हुए, खरगे ने साइबर अपराध और मनी लॉन्ड्रिंग नेटवर्क मामले के संबंध में ईडी की छापेमारी की निंदी की। उन्होंने कहा, 'आईटी, ईडी और सीबीआई भाजपा के लिए सिर्फ राजनीतिक हथियार हैं। इतने लंबे समय से वे क्या कर रहे थे? हमें यह भी नहीं पता कि छापे क्यों मारे जा रहे हैं। ईडी को चार्जशीट दाखिल करने दीजिए, तब हमें पता चलेगा कि ये छापे किसलिए मारे जा रहे हैं। ईडी की दोषसिद्धि दर सिर्फ 2% है। वे भाजपा सरकार की कठपुतली हैं।' इसके अलावा, हावेरी में अज्ञात बदमाशों द्वारा महात्मा गांधी की प्रतिमा को तोड़े जाने की घटना पर खरगे ने कहा, 'किसी को भी कानून अपने हाथ में लेने का अधिकार नहीं दिया गया है। मुझे मामले के तथ्यों की जानकारी नहीं है, लेकिन अगर यह दुर्भावनापूर्ण इरादे से किया गया है, तो इसके लिए उचित दंड दिया जाएगा।' खाद्य एवं सेवा विभाग (ईडी) ने आज सुबह कर्नाटक भर में फैले 12 परिसरों में धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत तलाशी अभियान शुरू किया।

एआईएडीएमके पर राहुल गांधी का बड़ा हमला, बोले- भ्रष्टाचार के कारण भाजपा के आगे किया 'आत्मसमर्पण'

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सोमवार को आरोप लगाया कि एआईएडीएमके नेतृत्व ने भ्रष्टाचार के कारण भाजपा के सामने आत्मसमर्पण कर दिया है, और दावा किया कि क्षेत्रीय पार्टी अब तमिलनाडु में भाजपा के प्रवेश के लिए एक माध्यम के रूप में काम कर रही है। कन्याकुमारी में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए गांधी ने कहा कि आरएसएस जो द्रविड़ विचारधारा से नफरत करता है, वह भी तमिलनाडु पर शासन करने की योजना बना रहा है। गांधी ने जोर देकर कहा कि प्रत्येक राज्य को अपनी आवाज और स्वायत्तता बनाए रखनी चाहिए। लोकसभा में विपक्ष के नेता ने कहा कि प्रत्येक राज्य के लोगों को अपने राज्य का संचालन करना चाहिए। लेकिन भाजपा ऐसा नहीं सोचती। वह एक ही परंपरा, एक ही भाषा और एक ही इतिहास में विश्वास करती है। उन्होंने आगे कहा कि विकेंद्रीकृत शासन के सिद्धांतों के अनुरूप तमिलनाडु का शासन वहां की जनता द्वारा ही होना चाहिए। गांधी ने यह भी आरोप लगाया कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को प्रभावित करने की कोशिश की, जिसके जवाब में मोदी ने एआईएडीएमके प्रमुख एडप्पाडी के. पलानीस्वामी के माध्यम से तमिलनाडु को नियंत्रित करने का प्रयास किया। कांग्रेस नेता ने कहा कि डीएमके-कांग्रेस गठबंधन तमिल भाषा, संस्कृति और इतिहास की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। लोकसभा सीटों की संख्या बढ़ाने के उद्देश्य से लाए गए 131वें संविधान संशोधन विधेयक पर भाजपा को घेरते हुए राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि यह कदम दक्षिण और उत्तर-पूर्वी भारत के प्रतिनिधित्व को कम करने के लिए उठाया गया है, और इसे भारत के संघ के विचार पर हमला करार दिया।

विजय का डीएमके-एआईएडीएमके पर तीखा वार, बोले- दोनों भ्रष्ट समूहों को देंगे जवाब

नई दिल्ली, एजेंसी। तमिलगा वेट्ट्री कज़गम (टीवीके) के अध्यक्ष विजय ने बुधवार को पोन्नेरी विधानसभा क्षेत्र के पंचट्टी इलाके में तमिलनाडु विधानसभा चुनावों के लिए समर्थन जुटाने के लिए एक महत्वपूर्ण रोड शो आयोजित किया। इन चुनावों में राजनीति में कदम रख रहे अभिनेता विजय के समर्थन में भारी भीड़ उमड़ी। इस दौरान, टीवीके समर्थक विजय को धूप में खड़े रहने से असुविधा हुई और पार्टी कार्यकर्ताओं ने उनकी चिकित्सा सहायता की। धूप में लंबे समय तक रहने के कारण कई अन्य लोग बेहोश हो गए। अभिनेता से राजनेता बने विजय टीवीके पार्टी के माध्यम से चुनावी मैदान में उतर रहे हैं, जिससे संभवतः त्रिकोणीय मुकाबला होगा। वे तिरुचिरापल्ली पूर्व से डीएमके के इनिगो एस इरुदयाराज और पेरम्बूर से डीएमके विधायक आरडी शेखर के खिलाफ चुनाव लड़ रहे हैं। गुरुवार को विजय ने टीवीके का चुनावी घोषणापत्र जारी किया।

उधमपुर में 100 मीटर गहरी खाई में गिरी यात्री बस, 21 लोगों की दर्दनाक मौत, पीएम मोदी और सीएम अब्दुल्ला ने जताया दुख

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के उधमपुर जिले से सोमवार को दिल दहला देने वाली खबर सामने आई। रामनगर क्षेत्र में एक तेज रफ्तार निजी बस अनियंत्रित होकर गहरी खाई में जा गिरी, जिससे 21 यात्रियों की मौत हो गई और 29 अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। यह हादसा इतना भीषण था कि बस का ऊपरी हिस्सा पूरी तरह उखड़ गया और वाहन मलबे में तब्दील हो गया। अधिकारियों ने बताया कि बस ने एक ऑटो-रिक्शा को भी अपनी चपेट में ले लिया जिससे तीपहिया वाहन में सवार लोग घायल हो गए। उन्होंने बताया कि यह हादसा सुबह करीब 10 बजे रामनगर क्षेत्र में एक तीखे मोड़ पर उस वक्त हुआ जब निजी बस का चालक नियंत्रण खो बैठा। पहाड़ी मार्ग से गुजर रहे सेना के एक काफिले ने तत्काल बचाव अभियान शुरू किया। बस में करीब 50 यात्री सवार थे जिनमें अधिकांश अपने दैनिक कामकाज के लिए रामनगर से उधमपुर जा रहे थे।

अधिकारियों ने बताया कि बस बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और उसका ऊपरी हिस्सा लगभग पूरी तरह उखड़ गया जिससे बचाव अभियान बेहद चुनौतीपूर्ण हो गया। उधमपुर-रियासी रेंज के पुलिस उपमहानिरीक्षक शिव कुमार शर्मा ने घटनास्थल पर संवाददाताओं से कहा, "रामनगर से उधमपुर जा रही बस पहाड़ी रास्ते पर नियंत्रण खो बैठी और ढलान से नीचे गिरकर सड़क पर पलट गई तथा एक ऑटो-रिक्शा भी इसकी चपेट में आ गया। मौके पर 15 यात्रियों को मृत पाया गया जबकि चार अन्य ने बाद में अस्पताल में दम तोड़ दिया।" अधिकारियों ने बताया कि उधमपुर जिला अस्पताल में इलाज के दौरान गंभीर रूप से घायल दो और लोगों की मौत हो गई जिससे मृतकों की संख्या बढ़कर 21 हो गई। शर्मा ने कहा कि स्थानीय निवासियों ने बचाव कार्य में महत्वपूर्ण सहायता प्रदान की। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, रामनगर के थाना प्रभारी और अन्य अधिकारी समेत पुलिस की टीम ने मौके पर पहुंचकर सेना के जवानों के साथ संयुक्त बचाव अभियान चलाया। बाद में हाइड्रोलिक क्रेन की मदद से वाहन को सीधा किया गया। उन्होंने बताया कि पुलिस महानिदेशक नलिन प्रभात और जम्मू जोन के पुलिस महानिरीक्षक भीम सेन टूटी फोन पर स्थिति की निगरानी कर रहे हैं। उधमपुर से रामनगर जा रहे एक सैन्य काफिले का नेतृत्व कर रहे एक जवान ने बताया कि बस को पहाड़ी से नीचे लुढ़कते देख उन्होंने तुरंत कार्रवाई की। उसने कहा, "मैं काफिले का नेतृत्व कर रहा था, तभी यह हादसा हुआ। वाहन करीब 100 मीटर की ऊंचाई से गिरा। हमने तुरंत क्षेत्र की घेराबंदी कर बचाव अभियान शुरू किया और कड़ी मशक्कत से यात्रियों को निकाला।"

पासपोर्ट विवाद में घिरे पवन खेड़ा, अग्रिम जमानत की मांग लेकर पहुंचे गौहाटी हाई कोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पवन खेड़ा ने अब असम में दर्ज एक मामले में अग्रिम जमानत (एंटिसिपेटरी बेल) के लिए गौहाटी हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। यह मामला असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा की पत्नी रिनिकी भुइयां सरमा द्वारा दर्ज कराई गई एफआईआर से जुड़ा है, जिसमें पासपोर्ट को लेकर विवाद सामने आया है।

दरअसल, पवन खेड़ा ने आरोप लगाया था कि रिनिकी भुइयां सरमा के पास एक से ज्यादा पासपोर्ट हैं। इसी बयान के बाद उनके खिलाफ गुवाहाटी क्राइम ब्रांच थाने में एफआईआर दर्ज की गई। इस एफआईआर में भारतीय न्याय संहिता की कई धाराएं लगाई गई हैं, जिनमें चुनाव से जुड़े गलत बयान, धोखाधड़ी, जालसाजी, मानहानि और शांति भंग करने जैसे आरोप शामिल हैं।

बंगाल दौरे को लेकर मल्लिकार्जुन खरगे का मोदी पर वार, बोले- क्या सीएम बनना चाहते हैं?

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बिहार के कूच बिहार में एक रैली के दौरान कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पश्चिम बंगाल दौरे को लेकर सवाल उठाए हैं। खरगे ने कहा कि पीएम मोदी लंबे समय से पश्चिम बंगाल में चुनावी कार्यक्रमों में व्यस्त हैं और अपने आधिकारिक काम की अनदेखी कर रहे हैं। रैली में खरगे ने सवाल उठाते हुए कहा 'क्या मोदी पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री बनना चाहते हैं या प्रधानमंत्री बने रहना चाहते हैं?' उन्होंने कहा कि पीएम के लगातार चुनावी दौरे से सरकारी कामकाज प्रभावित हो रहा है।

उन्होंने आरोप लगाया कि महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने वाले संविधान संशोधन बिल को लागू करने की प्रक्रिया को कमजोर किया गया। कूच बिहार में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए खरगे ने कहा कि महिला आरक्षण बिल 2029 से लागू होना था, लेकिन इसे कमजोर करने का काम किया गया। उन्होंने कहा आपने ही महिला आरक्षण बिल को खत्म किया है, हमने इसके खिलाफ नहीं बल्कि परिसीमन बिल के खिलाफ लड़ाई लड़ी है। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि उनकी पार्टी हमेशा महिलाओं के अधिकारों और उनके कल्याण के लिए काम करती रही है।

'पढ़े-लिखे भी बन रहे शिकार': डिजिटल अरेस्ट पर सीजेआई सूर्यकांत ने जताई चिंता, आरबीआई समेत बैंकों को दिए सख्त आदेश

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने डिजिटल अरेस्ट से जुड़ी बढ़ती ठगी की घटनाओं पर एक बार फिर गंभीर चिंता जताई है। सोमवार को सुनवाई के दौरान भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने कहा कि यह बेहद चौंकाने वाली और चिंताजनक स्थिति है कि अच्छी शिक्षा प्राप्त लोग भी इस तरह के साइबर अपराध का शिकार हो रहे हैं।

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ, जिसमें न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची भी शामिल थे, डिजिटल अरेस्ट पीड़ितों से जुड़े स्वतः संज्ञान मामले पर सुनवाई कर रही थी। इस दौरान अटॉर्नी जनरल आर वेंकटारमानी ने अदालत को बताया कि इस मुद्दे पर लगातार बैठकें हो रही हैं और सरकार तेजी से आवश्यक कदम उठा रही है। उन्होंने मामले को 12 मई को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने का अनुरोध किया।

बुजुर्ग महिला की पूरी रिटायरमेंट राशि ठगी गई

सुनवाई के दौरान सीजेआई ने एक बुजुर्ग महिला का मामला साझा किया, जिन्हें वह आधिकारिक तौर पर जानते हैं। उन्होंने कहा कि दुर्भाग्यपूर्ण रूप से महिला की पूरी रिटायरमेंट राशि साइबर ठगों ने हड़प ली। इस पर अदालत ने गहरी नाराजगी जताई। एक अधिवक्ता ने कहा कि जब सर्वोच्च न्यायालय इस मुद्दे पर स्वतः संज्ञान लेकर सुनवाई कर रहा है, तब भी लगातार ऐसे मामलों का सामने आना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। इस पर CJI ने कहा कि यह हैरान करने वाली बात है कि पढ़े-लिखे लोग भी इस तरह आसानी से ठगे जा रहे हैं।

54 हजार करोड़ की ठगी को कोर्ट ने बताया था डकैती

सुप्रीम कोर्ट ने 9 फरवरी को डिजिटल फ्रॉड के जरिए 54 हजार करोड़ रुपये से अधिक की ठगी को सीधी लूट और डकैती करार दिया था। अदालत ने केंद्र सरकार को निर्देश दिया था कि भारतीय रिजर्व बैंक, बैंकों, दूरसंचार विभाग और अन्य संबंधित संस्थाओं के साथ मिलकर मानक संचालन प्रक्रिया (SoP) तैयार की जाए। अदालत ने यह भी कहा था कि बैंकों को साइबर ठगी रोकने में सक्रिय भूमिका निभानी होगी। जरूरत पड़ने पर संदिग्ध खातों पर अस्थायी रोक लगाई जाए ताकि पैसे की निकासी रोकी जा सके।

सीबीआई जांच और मुआवजा ढांचा बनाने के निर्देश

शीर्ष अदालत ने सीबीआई को डिजिटल अरेस्ट से जुड़े मामलों की पहचान कर देशव्यापी जांच करने को कहा था। साथ ही गुजरात और दिल्ली सरकारों को ऐसे मामलों में जांच की मंजूरी देने का निर्देश दिया गया था। अदालत ने भारतीय रिजर्व बैंक, दूरसंचार विभाग और अन्य एजेंसियों से मिलकर पीड़ितों को मुआवजा देने के लिए एक स्पष्ट व्यवस्था तैयार करने को भी कहा था।

'सुप्रीम कोर्ट में घुसने नहीं देंगे': पीआईएल की सनक देख भड़के जज ने दी चेतावनी

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस और आजाद हिंद फौज से जुड़ी एक जनहित याचिका को खारिज करते हुए याचिकाकर्ता को कड़ी फटकार लगाई। कोर्ट ने कहा कि बार बार एक जैसी याचिका दायर कर अदालत का समय बर्बाद न करें। याचिका पिनाकपाणि मोहंती नाम के व्यक्ति ने दाखिल की थी। याचिका में नेताजी सुभाष चंद्र बोस को भारत की आजादी का मुख्य नायक घोषित करने की मांग की गई थी।

सुनवाई के दौरान जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जोयमाल्य बागची की बेंच ने कहा कि यह याचिका सिर्फ पब्लिसिटी पाने का एक जरिया लगती है। कोर्ट कहा कि इसी याचिकाकर्ता ने पहले भी ऐसी ही मांग के साथ याचिका दाखिल की थी जिसे खारिज कर दिया गया था। बार बार एक ही बात कोर्ट में लाने पर बेंच ने नाराजगी जाहिर की। सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश ने व्यक्तिगत रूप से पेश हुए याचिकाकर्ता को चेतावनी देते हुए कहा, 'सुप्रीम कोर्ट में एंट्री बंद कर देंगे।' कोर्ट ने याचिकाकर्ता पिनाकपाणी मोहंती द्वारा दायर इस याचिका को खारिज कर दिया।

आग बुझाने गई अग्निशमन टीम से अभद्रता और मारपीट का प्रयास

प्रयागराज। मेजा थाना क्षेत्र के कुर्की कला गांव में जंगल की आग बुझाने गई अग्निशमन टीम के साथ अभद्रता और मारपीट के प्रयास का मामला सामने आया है। इस संबंध में अग्निशमन यूनिट प्रभारी की शिकायत पर पुलिस ने जांच के बाद बीती रात ग्राम प्रधान मुरारी यादव सहित 10 अज्ञात लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है।

यह घटना 18 अप्रैल 2026 को दोपहर लगभग 11:52 बजे हुई थी। अग्निशमन विभाग को कुर्की कला (अमकछा) के जंगल में आग लगने की सूचना मिली थी। यूनिट प्रभारी सियाशरण सिंह अपनी टीम, जिसमें एफएम गिरजेश, एफएम शुभम कुमार और एफएम धीरेन्द्र प्रताप शामिल थे, के साथ तत्काल मौके पर पहुंचे। जंगल तक पहुंचने का रास्ता न होने के कारण टीम ने टहनियों से पीटकर आग बुझाना शुरू किया। वन विभाग के कर्मचारी भी इस कार्य में सहयोग कर रहे थे।

एक-एक फरियादी से मिले योगी, बोले- जनसेवा सरकार का कर्तव्य, इसी पथ पर चल रहे हम

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनता दर्शन में लोगों की समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को समयबद्ध समाधान के निर्देश दिए। आवास, इलाज, शिक्षा, अवैध कब्जे और पुलिस मामलों पर त्वरित कार्रवाई करने को कहा। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनसेवा सरकार का कर्तव्य है और हर जरूरतमंद को योजनाओं का लाभ मिलेगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को 'जनता दर्शन' में प्रदेश भर से आए फरियादियों से मुलाकात की, उनकी शिकायतें सुनीं और संबंधित अधिकारियों को समय-सीमा के अंदर निस्तारण कराने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनसेवा सरकार का कर्तव्य है और सरकार अपने कर्तव्य पथ पर चलकर प्रदेश की 25 करोड़ जनता की सेवा कर रही है। हर उचित समस्याओं के समाधान के लिए सरकार संकल्पित है।

दर्द लेकर आईं, दुआ देकर गईं

बरेली की रहने वालीं दीप्ति 'जनता दर्शन' में पहुंचीं। उन्होंने मुख्यमंत्री के समक्ष अपना दर्द बयां किया। बताया कि वह किराए के मकान में रहती हैं और ठेला लगाकर जीवनयापन कर रही हैं। आर्थिक विपन्नता के कारण बच्चों के लालन-पालन में काफी परेशानी हो रही है।

इस पर मुख्यमंत्री ने बरेली के जिलाधिकारी को निर्देशित किया कि महिला की समस्या सुनकर पीएम स्वनिधि योजना का लाभ दिलाते हुए स्थानीय स्तर पर समस्या का त्वरित समाधान कराएं। सीएम की संवेदनशीलता को देखकर दीप्ति की आंखें भर आईं। चेहरे पर खुशी का भाव लिए हुए उन्होंने जाते-जाते मुख्यमंत्री के प्रति आभार जताया और उन्हें ढेर सारी दुआएं भी दीं।

आवास की मांग को लेकर पहुंचे लोगों को सीएम ने किया आश्वस्त

'जनता दर्शन' में कुछ लोगों ने आवास की मांग से संबंधित प्रार्थना पत्र सौंपे। मुख्यमंत्री ने उनकी बातें सुनते हुए आश्वस्त किया कि सरकार हर पात्र व्यक्ति को प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री आवास योजना के तहत आवास उपलब्ध करा रही है।

सीएम ने संबंधित जनपदों के जिलाधिकारियों को आवेदकों का पत्र भेजते हुए उन्हें निर्देशित किया कि पात्रता के आधार पर इन्हें भी आवास योजना का लाभ दिलाएं। इन लोगों ने भी मुख्यमंत्री के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की।

अवैध कब्जे, पुलिस से जुड़े मामलों में निर्देश

मुख्यमंत्री के पास कुछ लोगों ने इलाज के लिए आर्थिक सहायता की गुहार लगाई। इस पर सीएम योगी ने तत्काल एस्टिमेट बनवाकर शासन को उपलब्ध कराने को कहा। उन्होंने कहा कि आप परिजन की चिंता कीजिए, इलाज की चिंता सरकार करेगी।

वहीं कुछ अभिभावकों ने आर्थिक परेशानी का जिक्र करते हुए बच्चों की पढ़ाई पर चिंता जताई। इस पर मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि किसी बच्चे का स्कूल नहीं छूटना चाहिए। बच्चे जहां पढ़ रहे हैं, वहीं उनकी शिक्षा जारी रहे, इसके लिए प्रबंधन से वार्ता कर बच्चों की शिक्षा की व्यवस्था की जाए। सीएम ने अवैध कब्जे और पुलिस से जुड़े मामलों में लापरवाही का संज्ञान लेते हुए इन प्रकरणों में तत्काल कार्रवाई कराने का निर्देश दिया और कहा कि स्थानीय पुलिस-प्रशासन समस्या का समाधान कराकर पीड़ितों को संतुष्ट करे।

मॉडल शॉप और दो रेस्टोरेंट में आधी रात लगी भीषण आग

प्रयागराज। सिविल लाइन्स थाना क्षेत्र स्थित पत्रिका चौराहे पर देर रात भीषण आग लगने से हड़कंप मच गया। आग इतनी विकराल थी कि देखते ही देखते 15 फीट ऊंची लपटों ने पूरी बिल्डिंग को अपनी चपेट में ले लिया। इस हादसे में दो रेस्टोरेंट के साथ एक अंग्रेजी मॉडल शॉप लाखों की शराब के साथ पूरी तरह जलकर खाक हो गए, जिससे लाखों रुपये के नुकसान का अनुमान लगाया जा रहा है।

बताया जा रहा है कि आग पत्रिका चौराहे पर स्थित अंग्रेजी वाइन शॉप की बिल्डिंग में लगी थी। यह बिल्डिंग तीन मंजिला थी, जिसमें बेसमेंट और फर्स्ट फ्लोर पर रेस्टोरेंट संचालित हो रहे थे, जबकि ग्राउंड फ्लोर पर अंग्रेजी मॉडल शॉप की दुकान थी। आग लगने के बाद कुछ ही देर में बेसमेंट, ग्राउंड फ्लोर और फर्स्ट फ्लोर पूरी तरह आग की चपेट में आ गए और देखते ही देखते सब कुछ जलकर राख हो गया।

महिला कांस्टेबल का एटीएम बदलकर 97,500 रुपये की ठगी, मुकदमा दर्ज

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। अमेठी के एलआईयू विभाग में तैनात हेड कांस्टेबल प्रतिभा पाण्डेय के साथ एटीएम फ्रॉड का मामला सामने आया है। जालसाजों ने उनका एटीएम कार्ड बदलकर 24 घंटे के भीतर 97,500 रुपये निकाल लिए। घटना के बाद नगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार पीड़िता सुल्तानपुर स्थित महिला थाना परिसर में बने सरकारी आवास में अपने बच्चों के साथ रहती हैं। उनकी दो बेटियां शास्त्रीनगर के सरस्वती विद्या मंदिर में पढ़ती हैं। 6 अप्रैल को बेटियों के एडमिशन के लिए स्कूल पहुंची प्रतिभा पाण्डेय के पास पैसे कम पड़ गए, जिसके बाद वह मुख्य मार्ग स्थित आईडीबीआई बैंक के एटीएम पर पैसे निकालने पहुंचीं। बताया जा रहा है कि एटीएम के अंदर पहले से मौजूद दो अज्ञात व्यक्तियों ने मदद के बहाने उनका कार्ड अपने पास लेकर मशीन में लगाने की बात कही। इसी दौरान उन्होंने धोखाधड़ी करते हुए उनका एटीएम कार्ड बदल दिया और दूसरा कार्ड थमा दिया। उस समय पीड़िता को इसकी जानकारी नहीं हो सकी। घर लौटने के बाद उन्हें ठगी का एहसास हुआ, लेकिन तब तक देर हो चुकी थी। जालसाज उनके खाते से 97,500 रुपये निकाल चुके थे। नगर कोतवाल संदीप राय ने बताया कि मामले में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और आरोपियों की तलाश की जा रही है। पुलिस एटीएम के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि एटीएम इस्तेमाल करते समय किसी अजनबी की मदद न लें और अपने कार्ड व पिन की जानकारी गोपनीय रखें।

विधायक की पहल पर मायंग से नौगवातीर मार्ग में प्रगति शीघ्र

सुल्तानपुर। भाजपा विधायक एवं पूर्व मंत्री विनोद सिंह की पहल पर मायंग से नौगवातीर मार्ग के निर्माण को लेकर बड़ी प्रगति हुई है। यूपी ग्रामीण सड़क विकास अभिकरण ने उनके पत्र का संज्ञान लेते हुए पैकेज नंबर यूपी-68208 में वेरिएशन किए जाने की मांग को स्वीकार कर लिया है। मांग स्वीकृत होने के बाद अभिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी अंकुर कौशिक ने भारत सरकार के ग्रामीण विकास मंत्रालय के अपर सचिव को इस संबंध में पत्र भेजा है, जिससे आगे की प्रक्रिया तेज होने की उम्मीद है। इस फैसले की जानकारी मिलते ही क्षेत्र के लोगों में खुशी की लहर दौड़ गई है। लंबे समय से इस सड़क के निर्माण की मांग की जा रही थी। सड़क निर्माण पूरा होने के बाद राहगीरों और स्थानीय लोगों का आवागमन सुगम हो जाएगा,जिससे क्षेत्र के विकास को भी नई गति मिलेगी।

गोसाईगंज पुलिस ने लकड़ी चोर गिरोह का किया भंडाफोड़, 4 गिरफ्तार

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। जनपद के थाना गोसाईगंज पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने खेतों से पेड़ काटकर चोरी करने वाले गिरोह का खुलासा करते हुए 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अभियुक्तों के कब्जे से चोरी की लकड़ी बरामद की गई है, साथ ही घटना में प्रयुक्त वाहन को भी सीज कर दिया गया है।

पुलिस अधीक्षक चारू निगम के निर्देशन तथा अपर पुलिस अधीक्षक व क्षेत्राधिकारी जयसिंहपुर के पर्यवेक्षण में चलाए जा रहे अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। 7 अप्रैल 2026 को रविशंकर शुक्ला ने अपने खेत से 24 यूकेलिप्टस (सफेदा) के पेड़ चोरी होने की शिकायत दर्ज कराई थी। इस संबंध में गोसाईगंज थाने में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की गई। विवेचना के दौरान पुलिस ने साक्ष्य जुटाए और मुखबिर की सूचना पर 20 अप्रैल को घेराबंदी कर आरोपियों को पकड़ लिया। पुलिस ने शुभम यादव (22), करन (18), रोशनलाल (19) और आदित्य पटेल (18) को गिरफ्तार किया है। सभी आरोपी अयोध्या जनपद के बीकापुर थाना क्षेत्र के निवासी बताए जा रहे हैं। आरोपियों के पास से सफेदा (यूकेलिप्टस) के कुल 43 बोटे बरामद किए गए हैं, जिनमें 25 बोटे 4 फीट के और 18 बोटे 3 फीट के हैं। इस सफल कार्रवाई में उपनिरीक्षक अशोक कुमार, उपनिरीक्षक कैलाश सिंह समेत पुलिस टीम के अन्य जवानों की अहम भूमिका रही। पुलिस ने सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया है। मामले में आगे की विधिक कार्रवाई जारी है।

तालाब में डूबकर तीन सगे भाई बहनों की मौत, परिवार में मचा कोहराम

आर्यावर्त संवाददाता

प्रतापगढ़। कंधई थाना क्षेत्र के शाल्हीपुर कंजास गांव में नहाते समय डूबकर तीन भाई बहनों की मौत हो गई। घटना के बाद जहां परिवार में कोहराम मच गया है वहीं पूरे गांव में मातम छा गया है। गांव निवासी विजय बहादुर यादव के तीन लड़के सबसे बड़ी बेटी 12 वर्ष, बड़ा बेटा 8 वर्ष और छोटा बेटा 5 वर्ष तीनों घर के सामने तालाब में नहाने गए थे। सोमवार को जब तीनों तालाब में घुसे तो बाहर ही नहीं निकले। कंजास गांव निवासी विजय बहादुर यादव के चार बच्चे थे, जिसमें से सबसे बड़ी बेटी रानी (12), बेटा मोहित (8) और रोहित (5) वर्ष और सबसे छोटा बेटा आठ माह का है, जो की मां की गोंद में है। रानी, मोहित और रोहित यह तीनों घर के बाहर बने तालाब में स्नान करने गए थे। तीनों की एक साथ तालाब में डूबने से मौत हो गई। पिता विजय बहादुर लकवाग्रस्त हैं, जो गांव में ही भिक्षा मांग कर बच्चों का वह अपना भरण पोषण करते हैं। मां मजदूरी करती है। घटना के समय मां घर के अंदर बच्चों के लिए भोजन बना रही थी। आर्थिक कमजोरी के कारण विजय बहादुर तीनों बच्चों का नाम कंजास प्राथमिक विद्यालय में लिखवाया था, लेकिन बच्चे स्कूल नहीं जाते थे।

हनुमंत कथा से पहले निकली भव्य एवं विशाल कलश यात्रा

आर्यावर्त संवाददाता

प्रयागराज। प्रयाग उत्थान समिति के अध्यक्ष डॉ उदय प्रताप सिंह की ओर से 21 अप्रैल से 23 अप्रैल तक नैनी के देवरख क्षेत्र स्थित गंगा तट पर राष्ट्र हनुमंत कथा का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें बागेश्वर धाम सरकार पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री तीन दिनों तक हनुमंत कथा करेंगे। जिसकी तैयारी लगभग पूरी कर ली गई है। कथा सुनने के लिए लगभग 5 लाख से अधिक लोगों की भीड़ पहुंचने का अनुमान लगाया जा रहा है। प्रयाग उत्थान समिति की ओर से आयोजित पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की राष्ट्र हनुमंत कथा का शुभारंभ सोमवार को मुट्ठीगंज स्थित जमुना क्रिश्चियन इंटर कॉलेज से मंगल कलश यात्रा के साथ हुआ। कलश यात्रा में हजारों महिलाएं पीत वस्त्र धारण कर सिर पर मंगल कलश लेकर शामिल हुईं। जमुना क्रिश्चियन इंटर कॉलेज से शुरू होकर गऊघाट, मुट्ठीगंज, राम भवन और मानसरोवर चौराहा होते हुए श्री पथरचट्टी रामलीला कमेटी के प्रांगण में संपन्न हुई।यात्रा में मेरठ के बैंड, घुड़सवार और दिव्य झांकियां आकर्षण का केंद्र रहीं। साथ ही चिकित्सा शिविर के साथ व्यापक सुरक्षा इंतजाम किए गए हैं। बागेश्वर धाम सरकार आचार्य धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की राष्ट्र श्री हनुमंत कथा से पहले सोमवार को मंगल कलश यात्रा निकाली गई। इसमें पांच हजार से अधिक महिलाओं ने सिर पर कलश और श्री फल लेकर पूरे शहर में भ्रमण किया। घुड़सवार, रथ, डीजे आदि के साथ हजारों लोग चल रहे थे। रथ पर सवार रामानंद सागर के रामायण सीरियल के राम (अरुण गोविल), सीता (दीपिका चिखलिया) और लक्ष्मण (सुनील लहरी) को देखने के लिए लोग आतुर दिखे। मंगल कलश यात्रा मुट्ठीगंज से निकलकर शहर के कई इलाकों से होते हुए रामबाग पथरचट्टी रामलीला मैदान पहुंची।इस अवसर महापौर गणेश केसरवानी पूर्व पार्षद विजय वैश्य पार्षद कुसुमलता गुप्ता डा सुशील कुमार सिन्हा, उमेश चंद्र केसरवानी दादा, एवं कृष्ण भगवान केसरवानी ने आरती किया। मंगल कलश यात्रा का स्वागत किया और समिति के अध्यक्ष डॉ उदय प्रताप सिंह आए हुए सभी महिलाओं का और भक्तों का के प्रति आभार व्यक्त किया। यात्रा का संचालन करते हुए महामंत्री अभिषेक ठाकुर ने बताया कि 21 अप्रैल को दोपहर 3 बजे अरैल माघ मेला क्षेत्र में बाबा बागेश्वर धाम पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री जी की हनुमंत कथा का शुभारंभ किया जाएगा। धीरेंद्र प्रताप सिंह, विनय प्रताप सिंह, राजेश केसरवानी, शिवम अग्रहरी, रोशनी अग्रवाल, बबलू पांडे, गोपाल जी केसरवानी, प्रवीण केसरवानी, आलोक केसरवानी, शत्रुघ्न जायसवाल, अभिलाष केसरवानी, पार्षद रूद्रसेन जायसवाल, राकेश जायसवाल, निखिल पांडे, गगन दास गुप्ता, दुर्गा प्रसाद गुप्ता, सुमित केसरवानी अन्नू ने किया।

डॉ अंबेडकर की प्रतिमा से फिर की गई छेड़छाड़

प्रयागराज। झूंसी थाना क्षेत्र में एक बार फिर डॉक्टर भीमराव आंबेडकर की मूर्ति से छेड़छाड़ की गई। यहां बने पार्क आंबेडकर के अलावा संत रविदास और महात्मा बुद्ध की प्रतिमा पर नीला पेंट डालकर अभद्र भाषा लिख दी गई। सोमवार सुबह इसकी जानकारी होने के बाद स्थानीय लोगों की भीड़ जुट गई। उनमें गुस्सा भी रहा। पुलिस पार्क में लगे सीसीटीवी फुटेज के जरिए असामाजिक तत्वों के बारे में पता लगा रही है। बताया जाता है कि रविवार रात झूंसी स्थित बाबा साहब भीमराव अंबेडकर संरक्षण समिति पार्क में स्थापित भीमराव आंबेडकर, संत रविदास, महात्मा बुद्ध की प्रतिमाएं लगी हुई हैं। इन प्रतिमाओं को नीले रंग से पेंट कर उसकी बाउंड्री पर आपत्तिजनक शब्द लिख दिए गए। एक कमरे का दरवाजे का ताला काट कर अंदर घुसे लोगों ने आंबेडकर प्रतिमा का चश्मा तोड़ दिया और दो पंखा खोल ले गए। सोमवार सुबह टहलने गए अरविंद सहित अन्य लोगों की नजर जब पड़ी तो संस्था को सूचना देते हुए पुलिस को बताया।

प्रवेश पाण्डेय बने समीक्षा अधिकारी, क्षेत्र में खुशी की लहर

आर्यावर्त संवाददाता

बल्दीराय/सुलतानपुर। विकास खंड बल्दीराय के ग्राम पंचायत सोरांव अंतर्गत पूरे भोला पाण्डेय गांव के निवासी प्रवेश पाण्डेय का चयन सचिवालय में समीक्षा अधिकारी (त्मअपमू विपिबमत) पद पर होने से पूरे क्षेत्र में खुशी का माहौल है। उनकी इस सफलता से गांव ही नहीं बल्कि पूरे ब्लॉक में उत्साह और गर्व की भावना देखी जा रही है।

प्रवेश पाण्डेय की इस उपलब्धि पर ग्राम प्रधान रमेश कुमार, पूर्व प्रधान व प्रधान पद प्रत्याशी मो. असलम, प्रधान प्रतिनिधि एवं समाजसेवी मो. इरफान (मास्टर), मुनीर अहमद (नेता), जयनन्द पाण्डेय, तौहीद खां, विपिन यादव और अब्दुल कादिर सहित कई जनप्रतिनिधियों व गणमान्य लोगों ने उन्हें बधाई दी और उज्ज्वल भविष्य की कामना की। मूल रूप से सुल्तानपुर जिले के निवासी प्रवेश पाण्डेय ने अपनी मेहनत और लगन के दम पर यह सफलता हासिल की है। इससे पहले वह अमेठी स्थित उमा रमण राजकीय विद्यालय में सहायक अध्यापक के पद पर कार्यरत थे। अब वह सचिवालय में नई जिम्मेदारी निभाएंगे। यह उनकी तीसरी बड़ी सरकारी नौकरी है, जो उनकी प्रतिभा और निरंतर परिश्रम का प्रमाण है। समाजसेवी इरफान मास्टर ने कहा कि लक्ष्य के प्रति समर्पण और ईमानदारी से किसी भी मुकाम को हासिल किया जा सकता है, और प्रवेश पाण्डेय इसका जीवंत उदाहरण हैं। परिवार की बात करें तो उनके बड़े भाई लेखपाल हैं, जबकि उनके पिता चन्द्र देव पाण्डेय भी वरिष्ठ लेखपाल पद पर कार्यरत हैं। माता लीलावती गृहिणी हैं। इस सफलता पर परिवार के संदीप पाण्डेय, वृजेश पाण्डेय और चाचा ज्ञानदेव पाण्डेय सहित अन्य परिजनों ने हर्ष व्यक्त किया। प्रवेश पाण्डेय की यह उपलब्धि क्षेत्र के युवाओं के लिए प्रेरणा बनकर उभरी है।

नोएडा में अब कम सुनाई देगा हॉर्न का शोर, इन इलाकों में लगेंगे साउंड बैरियर, IIT से परीक्षण

आर्यावर्त संवाददाता

नोएडा। नोएडा में लगातार बढ़ते ट्रैफिक और उससे पैदा हो रहे ध्वनि प्रदूषण को लेकर आखिरकार प्रशासन ने बड़ा कदम उठाने का फैसला किया है। शहर की प्रमुख एलिवेटेड सड़कों पर अब साउंड बैरियर लगाए जाएंगे, ताकि आसपास रहने वाले लोगों को वाहनों की हॉर्न और तेज रफ्तार ट्रैफिक के शोर से राहत मिल सके। यह निर्णय लंबे समय से उठ रही स्थानीय निवासियों की शिकायतों और मांगों के बाद लिया गया है। दरसअल, नोएडा में एमपी 2 और डीएससी रोड पर बने एलिवेटेड रोड पिछले साल नवंबर में शुरू हुए थे। इन सड़कों के शुरू होने के बाद ट्रैफिक का दबाव तो काम हुआ, लेकिन इसके साथ ही कई नई समस्याएं सामने आ गई।

दिन रात इन सड़कों पर दौड़ते वाहनों और लगातार बजाते होरन की आवाज से आसपास के सेक्टरों और सोसायटियों में रहने वाले लोगों का जीवन प्रभावित कर दिया।

आसपास के इलाकों में बड़ी परेशानी

एलिवेटेड रोड के दोनों ओर बड़ी संख्या में रिहायशी क्षेत्र, सेक्टर, गांव और हाउसिंग सोसायटी मौजूद हैं। इन इलाकों में रहने वाले लोगों का कहना है कि रात के समय भी वाहनों की आवाज और हॉर्न का शोर इतना ज्यादा होता है कि नींद लेना मुश्किल हो जाता है। कई निवासियों ने शिकायत की की बच्चों की पढ़ाई बुजुर्गों की सेहत और रोजमर्रा की जिंदगी पर इसका सीधा असर पड़ रहा है। लोगों ने कई बार प्राधिकरण और प्रशासन से इस समस्या के समाधान की मांग की थी। लगातार मिल रही शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए नोएडा प्राधिकरण ने एलिवेटेड रोड पर साउंड बैरियर लगाने की योजना तैयार कर ली है।अधिकारियों के मुताबिक दोनों प्रमुख एलिवेटेड सड़कों पर ऐसे बैरियर लगाए जाएंगे जो ध्वनि और शोर को कम कर आसपास के इलाकों में फैलने से रोकेंगे। इस परियोजना को मंजूरी मिल चुकी है और अब इसे लागू करने की प्रक्रिया शुरू की जा रही है। जल्द ही टेंडर जारी किए जाएंगे इसके बाद निर्माण कार्य शुरू होगा।

करीब 19 करोड़ रुपए का अनुमानित खर्च

शहर के एक एलिवेटेड रोड पर साउंड बैरियर लगाने के लिए करीब 19 करोड़ रुपए के खर्च का अनुमान लगाया जा रहा है वही भंगेल एलिवेटेड रोड पर आने वाले खर्च का आकलन भी जल्द पूरा कर लिया जाएगा। अधिकारियों को कहना है कि इस परियोजना के पूरा होने के बाद आसपास के निवासियों को काफी हद तक राहत मिलेगी और ध्वनि प्रदूषण में कमी आएगी। प्राधिकरण ने इस परियोजना की गुणवत्ता और प्रभावशीलता सुनिश्चित करने के लिए आइआइटी से तकनीकी परीक्षण करने का निर्णय लिया है।

सबसे ज्यादा ट्रकों और भारी वाहनों का शोर

साउंड बैरियर लगाने से पहले और बाद में ध्वनि स्तर का आकलन किया जाएगा। ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि शोर में वास्तव में कमी आएगी या नहीं। गौरतलब है कि इससे पहले भी एलिवेटेड रोड पर भारी वाहनों की आवजाही रोकने के लिए योजना बनाई गई थी, ताकि शोर को काम किया जा सके। हालांकि, यह योजना ज्यादा सफल नहीं हो पाई और ट्रैफिक पहले की तरह चलता रहा। इसके बाद यातायात पुलिस ने कुछ नियम लागू किया। लेकिन ध्वनि प्रदूषण की समस्या का स्थाई समाधान नहीं निकल पाया। ऐसे में अब साउंड बैरियर को सबसे प्रभावी उपाय माना जा रहा है। वहीं स्थानीय लोगों का कहना है कि एलिवेटेड रोड बनने से यातायात सुगम जरूर हुआ है। लेकिन इसके साथ शोर की समस्या बढ़ गई है खासकर रात के समय ट्रकों और अन्य भारी वाहनों के गुजरने से स्थिति और खराब हो जाती है। अब देखने वाली बात यह होगी कि आखिरकार इस योजना को धरातल पर कब तक उतारा जाएगा।

तपते प्रयागराज में सबसे अधिक तापमान 44 .7° सेल्सियस

आर्यावर्त संवाददाता

प्रयागराज। प्रयागराज में इन दिनों भीषण गर्मी ने लोगों का जीना मुश्किल कर दिया है। अप्रैल के महीने में ही तापमान 40.7 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया है। इससे प्रयागराज प्रदेश के सबसे गर्म जिलों में शामिल हो गया है।

अधिकतम तापमान की वजह से दो दिन सूबे में दूसरे नंबर पर रही संगम नगरी सोमवार को 44.7 डिग्री सेल्सियस के साथ तपिश में टॉप कर गई। मौसम विभाग के आंकड़ों के मुताबिक सबसे गर्म दिन होने की वजह से तपिश ने यहां नौ साल का रिकॉर्ड तोड़ दिया। इससे पहले वर्ष 2017 में 20 अप्रैल को अधिकतम तापमान 45.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। मौसम विभाग का पूर्वानुमान है कि अगले सात दिन हीटवेव के आसार हैं। इस दौरान झुलसाने वाली गर्मी प्रभावी रहेगी।

सूरज के तल्ख तेवर और हर दिन प्रचंड हो रही गर्मी की वजह से अधिकतर सड़कों पर शाम तक सन्नाटा पसरा रहा। 25 डिग्री सेल्सियस तापमान के साथ रात में भी तपिश प्रभावी रही। घर से बाहर निकले लोगों ने गर्मी से बचाव के तमाम उपाय किए लेकिन तेज धूप शरीर के खुले हिस्सों को झुलसाती रही। हीटवेव की वजह से लोगों का गला बार-बार सूखता रहा। दोपहिया वाहन सवार छांव की तलाश करते फिर संयत होने पर आगे बढ़ते।

सुबह से ही तेज धूप लोगों को झुलसाने लगती है और दोपहर तक हालात और गंभीर हो जाते हैं। गर्म हवाएं और चुभती धूप से ऐसा लगता है जैसे आग बरस रही हो। दोपहर में सड़कों पर सन्नाटा छा जाता है और जो लोग बाहर निकलते हैं, वे सिर ढककर या छाता लेकर चलते नजर आते हैं। संगम क्षेत्र की रेत पर सबसे ज्यादा गर्मी महसूस की जा रही है।

जनता दर्शन में उप मुख्यमंत्री ने सुनीं सैकड़ों फरियादें, अधिकारियों को समयबद्ध समाधान के दिए निर्देश

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने सोमवार को अपने कैम्प कार्यालय 7-कालिदास मार्ग पर आयोजित 'जनता दर्शन' कार्यक्रम में जनसेवा और प्रशासनिक संवेदनशीलता का उदाहरण प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की विशेष बात यह रही कि उप मुख्यमंत्री ने औपचारिकताओं को दरकिनार करते हुए स्वयं एक-एक फरियादी के पास जाकर उनकी समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को मौके पर ही आवश्यक निर्देश दिए।प्रदेश के विभिन्न सुदूर जनपदों से पहुंचे सैकड़ों फरियादियों ने अपनी समस्याएं और पीड़ा उप मुख्यमंत्री के समक्ष रखी। इस दौरान उन्होंने फरियादियों को आश्वस्त करते हुए कहा कि सरकार जनता की समस्याओं के समाधान के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और प्रत्येक शिकायत

का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाएगा।

जनता दर्शन के दौरान बांदा जनपद से आए रामदत्त और ओम प्रकाश ने अपनी भूमि पर दबंगों द्वारा किए गए अवैध कब्जे को हटवाने की गुहार लगाई। वहीं वाराणसी से आए विजय शर्मा ने गंभीर बीमारी के उपचार हेतु चिकित्सा सहायता अनुदान की मांग की, जबकि राजेंद्र कुमार ने जटिल भूमि विवाद के शीघ्र निस्तारण की अपील की। इसी क्रम में कानपुर देहात के दीपक कुमार ने अपने विरुद्ध दर्ज कथित फर्जी मुकदमे की निष्पक्ष जांच कर उसे निरस्त कराने का अनुरोध किया, जबकि कासगंज के चंदन सिंह ने जमीन से जुड़े पुराने विवाद के न्यायसंगत निपटारे की मांग रखी।बदायूं जनपद से भी बड़ी संख्या में फरियादी जनता दर्शन में पहुंचे। इनमें राम विलास ने वैध विद्युत कनेक्शन होने के बावजूद दर्ज मुकदमे की जांच कराने, चंद्रपाल ने बिजली से संबंधित अन्य समस्याओं के समाधान तथा राम अवतार शाक्य ने अपनी भूमि को अवैध कब्जे से मुक्त कराने का निवेदन किया। इसके अतिरिक्त बलरामपुर के राम अक्षयबर ने असाध्य रोग के इलाज के लिए आर्थिक सहायता, फर्रुखाबाद की प्रेमवती शाक्य और सीतापुर के दीपू ने आवास उपलब्ध कराने तथा महोबा के दयाशंकर ने अपनी पट्टे की जमीन को दबंगों के कब्जे से मुक्त कराने की मांग रखी।इन सभी प्रकरणों पर तत्काल संज्ञान लेते हुए उप मुख्यमंत्री ने कई जिलों के जिलाधिकारियों तथा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षकों से दूरभाष पर सीधी वार्ता कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट रूप से निर्देशित किया कि प्रत्येक मामले में पीड़ित को वास्तविक न्याय मिलना चाहिए और किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।उप मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए कि चिकित्सा सहायता, आवास और अंत्योदय से जुड़े मानवीय मामलों में प्राथमिकता के आधार पर कार्रवाई करते हुए शीघ्र राहत पहुंचाई जाए। उन्होंने कहा कि धन के अभाव में किसी भी जरूरतमंद का इलाज नहीं रुकेगा और सरकार हर पात्र व्यक्ति के साथ मजबूती से खड़ी है।जनता दर्शन कार्यक्रम के दौरान उप मुख्यमंत्री के त्वरित और पारदर्शी रुख से प्रशासनिक तंत्र की जवाबदेही सुनिश्चित होती दिखाई दी। साथ ही कैंप कार्यालय में मौजूद सैकड़ों लोगों के मन में न्याय व्यवस्था के प्रति विश्वास और भी मजबूत हुआ। कार्यक्रम के अंत में उन्होंने पुनः अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी शिकायतों का समयबद्ध और संतोषजनक समाधान सुनिश्चित किया जाए, ताकि आमजन को शासन की योजनाओं और सेवाओं का पूरा लाभ मिल सके।

चिनहट में सनसनीखेज वारदात का खुलासा : पिता ने ही नाबालिग बेटी की गला घोंटकर हत्या की

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। थाना चिनहट क्षेत्र में एक बेहद सनसनीखेज और दिल दहला देने वाली घटना का पुलिस ने खुलासा किया है, जिसमें एक पिता ने ही अपनी नाबालिग बेटी की हत्या कर शव को पहचान से बचाने के लिए उसका चेहरा तेजाब से जला दिया और शव को बाराबंकी जनपद के शारदा नहर में छिपा दिया। क्राइम/सर्विलांस टीम पूर्वी जोन और थाना चिनहट की संयुक्त पुलिस टीम ने इस जघन्य वारदात में शामिल पिता और उसके साथी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने घटना में प्रयुक्त चार पहिया वाहन और मोबाइल फोन भी बरामद कर लिए हैं।पुलिस के अनुसार इस पूरे मामले का खुलासा उस समय हुआ, जब 16 अप्रैल 2026 को थाना चिनहट पर ऑनलाइन आईजीआरएस के माध्यम से विजय कुमार चौबे पुत्र कृपा शंकर चौबे निवासी इमलीबाथम धावा, थाना चिनहट ने अपनी नाबालिग पुत्री के घर से लापता होने की सूचना दी। मामले की जांच उपनिरीक्षक अजय कुमार को सौंपी गई। जांच के दौरान कॉल डिटेल और संदिग्ध व्यक्तियों से पूछताछ में कई महत्वपूर्ण तथ्य सामने आए, जिससे मामला संदिग्ध प्रतीत हुआ।जांच को आगे बढ़ाते हुए पुलिस ने आवेदक विजय कुमार चौबे से गहन पूछताछ की। साक्ष्यों के आधार पर यह तथ्य सामने आया कि नाबालिग पुत्री के लापता होने की सूचना देने वाला स्वयं पिता ही हत्या का मुख्य आरोपी निकला। पुलिस ने उसके साथी अब्दुल मन्नान पुत्र मोहम्मद याकूब निवासी नाजिर बाग कॉलोनी मल्हौर रोड, थाना चिनहट को भी हिरासत में लेकर पूछताछ की, जिसमें दोनों ने मिलकर हत्या की वारदात को अंजाम देने की बात स्वीकार की।पूछताछ में आरोपी विजय कुमार चौबे ने बताया कि वह अपनी बेटी के व्यवहार से परेशान था और उसे सामाजिक प्रतिष्ठा खराब होने का भय था। इसी कारण उसने अपने साथी अब्दुल मन्नान के साथ मिलकर हत्या की साजिश रची। योजना के तहत 13 अप्रैल 2026 को उसने एक किराये की कार ली और अपनी बेटी को झाड़फूंक कराने के बहाने घर से बाहर ले गया। रास्ते में चिनहट तिराहे पर उसने अपने साथी को बुलाकर कार में बैठाया और दोनों सुल्तानपुर की ओर निकल गए।दोनों आरोपियों ने रास्ते में एक ढाबे पर रुककर रात बिताई और अगले दिन वापस लखनऊ की ओर लौटे। रात होने का इंतजार करने के बाद वे बाराबंकी होते हुए देवा और फिर कुर्सी रोड की ओर सुनसान स्थान तलाशते हुए पहुंचे। रात्रि करीब 1 से 2 बजे के बीच सुनसान स्थान मिलने पर उन्होंने सड़क किनारे वाहन रोका और कार की पिछली सीट पर सो रही बेटी का गला दबाकर हत्या कर दी। आरोपियों ने गला दबाने के साथ ही गमछे से भी उसका गला कस दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मृत्यु हो गई।हत्या के बाद दोनों आरोपियों ने शव को

काकोरी के हाईवे ग्रीन सिटी में सूने मकान को चोरों ने बनाया निशाना

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। थाना काकोरी क्षेत्र अंतर्गत हाईवे ग्रीन सिटी, मौंदा में सूने मकान को निशाना बनाते हुए अज्ञात चोरों द्वारा चोरी की घटना को अंजाम देने का मामला सामने आया है। गृहस्वामी के चार दिनों तक घर से बाहर रहने का फायदा उठाकर चोरों ने घर में घुसकर चोरी की वारदात को अंजाम दिया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाने की कार्रवाई शुरू कर दी है।प्राप्त जानकारी के अनुसार 20 अप्रैल 2026 को शिकायतकर्ता राजपाल यादव पुत्र रामलाल यादव निवासी हाईवे ग्रीन सिटी, मौंदा, थाना काकोरी ने पुलिस को सूचना दी कि वह पिछले चार दिनों से अपने घर में ताला लगाकर बाहर गए हुए थे। जब वह वापस अपने घर लौटे तो उन्होंने देखा कि अज्ञात व्यक्तियों द्वारा उनके घर में चोरी की घटना को अंजाम

दिया जा चुका है। घर का सामान अस्त-व्यस्त स्थिति में मिलने के बाद उन्होंने तत्काल पुलिस को सूचना दी।सूचना प्राप्त होते ही थाना काकोरी पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने फील्ड यूनिट को भी मौके पर बुलाया, जहां विशेषज्ञों द्वारा साक्ष्य संकलन एवं वैज्ञानिक जांच की कार्रवाई की जा रही है। घर के भीतर और बाहर से संभावित सुराग जुटाने का प्रयास किया गया, ताकि घटना में शामिल व्यक्तियों तक पहुंचा जा सके।पुलिस द्वारा आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज को खंगालने का कार्य भी शुरू कर दिया गया है। क्षेत्र में आने-जाने वाले संदिग्ध व्यक्तियों की गतिविधियों की जांच की जा रही है, जिससे चोरी की घटना में शामिल आरोपियों की पहचान की जा सके। पुलिस आसपास के लोगों से भी पूछताछ कर रही है, ताकि घटना के समय किसी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी मिल सके।

नगराम के बहरौली गांव में घर पर पत्थरबाजी से दहशत, किशोरी घायल

लखनऊ। थाना नगराम क्षेत्र के ग्राम बहरौली में अज्ञात शरारती तत्वों द्वारा घर पर पत्थर और ईंट के टुकड़े फेंके जाने की घटनाओं से ग्रामीणों में दहशत का माहौल बना हुआ है। लगातार हो रही इन घटनाओं में एक किशोरी के घायल होने के बाद पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए मौके पर पुलिस बल की तैनाती कर दी है और संदिग्ध व्यक्तियों की पहचान के लिए प्रयास तेज कर दिए हैं।प्राप्त जानकारी के अनुसार दिनांक 18 अप्रैल 2026 को प्रातः लगभग 05:00 बजे ग्राम बहरौली निवासी रिंकू पुत्र स्वर्गीय बाबूलाल के घर पर अज्ञात व्यक्तियों द्वारा पत्थर और ईंट के टुकड़े फेंके जाने की सूचना पुलिस को प्राप्त हुई। सूचना मिलते ही उपनिरीक्षक सहदेव कुमार उपनिरीक्षक अनुज कुमार के साथ पुलिस बल लेकर तत्काल मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। परिवारजनों ने पुलिस को बताया कि कुछ अज्ञात शरारती तत्व उन्हें परेशान करने के उद्देश्य से समय-समय पर उनके घर पर पत्थर और ईंट फेंकते रहते हैं।

शहीद पथ पर देर रात भीषण सड़क हादसा, ट्रक से टकराया लोडर

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। थाना गोमतीनगर विस्तार क्षेत्र में शहीद पथ पर देर रात एक भीषण सड़क हादसे में लोडर वाहन ट्रक में पीछे से जा टकराया, जिससे लोडर चालक केबिन में गंभीर रूप से फंस गया। सूचना मिलते ही पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम ने मौके पर पहुंचकर संयुक्त रेस्क्यू अभियान चलाया और कड़ी मशक्कत के बाद चालक को सुरक्षित बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया।प्राप्त जानकारी के अनुसार दिनांक 19/20 दिसंबर 2025 की देर रात्रि लगभग 02:15 बजे डायल 112 के माध्यम से थाना गोमतीनगर विस्तार पुलिस को सूचना मिली कि पेनेशिया हॉस्पिटल के पास शहीद पथ पर एक लोडर वाहन ने ट्रक में पीछे से टक्कर मार दी है, जिसके कारण लोडर चालक वाहन के केबिन में फंस गया है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया।मौके पर पहुंचने पर पुलिस ने पाया कि टक्कर इतनी तेज थी कि लोडर वाहन का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया था और चालक केबिन के अंदर बुरी तरह फंस गया था। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए बिना विलंब किए फायर ब्रिगेड को मौके पर बुलाया गया। इसके बाद पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम ने संयुक्त रूप से रेस्क्यू अभियान चलाया। रेस्क्यू के दौरान लोडर के अग्रभाग को काटकर चालक को सुरक्षित बाहर निकाला गया।घायल चालक की पहचान विकास पुत्र जीत बहादुर, उम्र लगभग 24 वर्ष, निवासी रामनगर, थाना लालगंज, जनपद बस्ती के रूप में हुई है। हादसे में उसके पैर में गंभीर चोट आई, जिसके बाद उसे तत्काल एम्बुलेंस के माध्यम से नजदीकी चिकित्सालय भेजकर भर्ती कराया गया।

• संक्षेप •

महिला आरक्षण बिल को लेकर मोदी सरकार पर बरसे अजय राय, कहा— विपक्ष को बदनाम करने का हो रहा प्रयास

लखनऊ। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय ने आज प्रदेश कांग्रेस कार्यालय, लखनऊ में आयोजित प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर महिला आरक्षण विधेयक के मुद्दे पर गंभीर आरोप लगाए। प्रेसवार्ता में पूर्व विधायक लुईस खुर्शीद, मीता गौतम, मीडिया विभाग के वाइस चेयरमैन मनीष हिंदवी तथा प्रदेश प्रवक्ता शुचि विश्वास प्रमुख रूप से उपस्थित रहीं।प्रेसवार्ता की शुरुआत करते हुए अजय राय ने मीडिया के समक्ष प्रधानमंत्री का एक वीडियो प्रदर्शित किया, जिसमें वर्ष 2023 में प्रधानमंत्री द्वारा विपक्ष को महिला आरक्षण विधेयक पारित होने पर बधाई दी जा रही थी। इसके साथ ही वर्ष 2026 के राष्ट्र के नाम संबोधन का वीडियो भी दिखाया गया, जिसमें प्रधानमंत्री द्वारा कांग्रेस पर बिल पास न होने देने का आरोप लगाया गया। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए अजय राय ने कहा कि प्रधानमंत्री स्वयं तय नहीं कर पा रहे हैं कि उन्हें क्या कहना है और किस पर आरोप लगाना है। उन्होंने कहा कि सच्चाई यह है कि प्रधानमंत्री अपने ही बयानों के जाल में उलझ गए हैं।

दहेज प्रताड़ना मामले में वांछित अभियुक्त गिरफ्तार, सुशांत गोल्फ सिटी पुलिस ने दबिश देकर पकड़ा

लखनऊ। थाना सुशांत गोल्फ सिटी पुलिस ने दहेज प्रताड़ना और जान से मारने की धमकी से जुड़े एक मामले में वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया है। पुलिस के अनुसार यह कार्रवाई त्वरित सूचना और साक्ष्य संकलन के आधार पर की गई।पुलिस के अनुसार दिनांक 19 अप्रैल 2026 को वादी ब्रजेश कुमार पुत्र रामगोपाल निवासी ग्राम जयकरनपुर, पोस्ट बहरौली, थाना कुर्सी, जनपद बाराबंकी द्वारा दी गई लिखित तहरीर के आधार पर थाना सुशांत गोल्फ सिटी में मुकदमा अपराध संख्या 243/2026 धारा 85, 80(2) बीएनएस एवं 3/4 दहेज प्रतिषेध अधिनियम के तहत अभियोग पंजीकृत किया गया था। तहरीर में आरोप लगाया गया था कि वादी की बहन अनीता को उसके पति द्वारा दहेज के लिए प्रताड़ित किया जाता था तथा दहेज न देने पर जान से मारने की धमकी दी जाती थी।मामले की विवेचना के दौरान 20 अप्रैल 2026 को पुलिस टीम वांछित अभियुक्त की तलाश में अलकनंदा चौकी क्षेत्र में भ्रमणशील थी। इसी दौरान मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि जिस व्यक्ति की तलाश की जा रही है, वह बसेरा कॉलोनी क्षेत्र में मौजूद है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए बसेरा कॉलोनी में दबिश दी और अभियुक्त विजय प्रकाश विश्वकर्मा पुत्र स्वर्गीय बाबूलाल विश्वकर्मा निवासी बी–2, जी–2 बसेरा कॉलोनी (गोमती इंक्लेव के पीछे), थाना सुशांत गोल्फ सिटी, लखनऊ, मूल निवासी ग्राम सहेलिया, थाना सतरिक, जनपद बाराबंकी, उम्र लगभग 32 वर्ष को हिरासत में ले लिया।

नकली विरोध की शूटिंग कराए जाने का आरोप, अखिलेश यादव ने भाजपा पर साधा निशाना

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भाजपा और उसके सहयोगियों पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि भाजपाई और उनके संगी–साथी साजिशों से बाज नहीं आ रहे हैं और अब नकली विरोध की शूटिंग कराए जाने जैसी गतिविधियां सामने आ रही हैं। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की घटनाएं लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए चिंताजनक हैं और इससे राजनीतिक माहौल को प्रभावित करने का प्रयास किया जा रहा है। अखिलेश यादव ने कहा कि ऐसे मामलों में शामिल युवक–युवतियों को वह दोषी नहीं मानते हैं, क्योंकि वर्तमान समय में बढ़ती बेरोजगारी के कारण युवा मजबूरी में छोटे–मोटे कार्य करने को विवश हो रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा पहले गरीबी और मजबूरी की स्थिति पैदा करती है, और फिर उन्हीं परिस्थितियों का लाभ उठाते हुए कमजोर और जरूरतमंद लोगों को अपने राजनीतिक उद्देश्यों के लिए इस्तेमाल करती है।

हुसैनगंज पुलिस की त्वरित कार्रवाई, 4 घंटे के भीतर जानलेवा हमला करने वाला आरोपी गिरफ्तार

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। थाना हुसैनगंज पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए जानलेवा हमला करने वाले एक आरोपी को महज चार घंटे के भीतर गिरफ्तार कर महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से घटना में प्रयुक्त एक चाकू और एक ऑटो भी बरामद किया है।पुलिस आयुक्त के निर्देशानुसार अपराध और अपराधियों पर नियंत्रण तथा वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस उपायुक्त (मध्य) के पर्यवेक्षण, अपर पुलिस उपायुक्त (मध्य) तथा सहायक पुलिस आयुक्त (हजरतगंज) के मार्गदर्शन में थाना हुसैनगंज पुलिस टीम ने यह कार्रवाई की। थानाध्यक्ष शिवमंगल सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने थाना हुसैनगंज पर पंजीकृत मुकदमा अपराध संख्या 0048/2026 धारा 109(1) बीएनएस व 4/25 आयुध अधिनियम से संबंधित अभियुक्त को गिरफ्तार किया।घटना के संबंध में दिनांक 20 अप्रैल 2026 को वादी द्वारा थाना हुसैनगंज पर सूचना दी गई थी कि ऑटो में सवारी बैठाने को लेकर हुए विवाद में प्रतिवादी ने वादी के भाई राकेश कुमार धानुक पर जान से मारने की नीयत से चाकू से कई वार किए। इस हमले में राकेश कुमार गंभीर रूप से घायल हो गए और लहूलुहान अवस्था में उन्हें उपचार के लिए भेजा गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तत्काल मुकदमा दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से घटना में प्रयुक्त एक चाकू बरामद किया गया। साथ ही घटना में प्रयुक्त ऑटो संख्या यूपी 32 केएन 6441 को भी पुलिस ने अपने कब्जे में ले लिया।

बीबीएयू के वैज्ञानिकों की अहम खोज—टीबी जीवाणु के 'लोहा चोरी' तंत्र का खुलासा, नई दवाओं की उम्मीद बढ़ी

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। स्थित बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय के जैव प्रौद्योगिकी विभाग के वैज्ञानिकों ने तपेदिक (टीबी) से लड़ाई में एक महत्वपूर्ण वैज्ञानिक उपलब्धि हासिल की है। विभाग के डॉ. यूसुफ अख्तर और उनके शोधार्थी डॉ. गौरी शंकर ने उस प्रमुख जैविक तंत्र का पता लगाया है, जिसके माध्यम से टीबी का जीवाणु मानव शरीर के भीतर प्रतिरक्षा प्रणाली के प्रयासों के बावजूद जीवित बना रहता है। उनका यह शोध अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठित वैज्ञानिक पत्रिका 'बायोमेटल्स' में प्रकाशित हुआ है।वैज्ञानिकों ने सरल भाषा में बताया कि जब टीबी के जीवाणु शरीर में प्रवेश करते हैं, तो शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली एक विशेष रणनीति अपनाती है। यह शरीर के भीतर मौजूद लोहे (आयरन) को विशेष प्रोटीनों में बंद कर देती है, ताकि जीवाणुओं को यह

आवश्यक पोषक तत्व न मिल सके। लोहा जीवाणुओं के लिए ऊर्जा बनाने, डीएनए तैयार करने और अन्य महत्वपूर्ण कार्यों के लिए बहुत जरूरी होता है। अधिकतर रोगजनकों के लिए यह तरीका कारगर साबित होता है, लेकिन टीबी का जीवाणु इससे बचने के लिए एक विशेष रणनीति विकसित कर चुका है।शोधकर्ताओं ने पाया कि जैसे ही जीवाणु को लोहे की कमी का संकेत मिलता है, वह कुछ विशेष जीन सक्रिय कर देता है, जो 'साइडरोफोर' नामक पदार्थ बनाते हैं। ये पदार्थ चुम्बक की तरह काम करते हैं और शरीर की कोशिकाओं से लोहा खींचकर वापस जीवाणु तक पहुँचा देते हैं। इससे जीवाणु ऐसे वातावरण में भी जीवित रह पाता है, जहाँ लोहा बहुत कम मात्रा में मौजूद होता है।तपेदिक आज भी दुनिया के सबसे घातक संक्रामक रोगों में शामिल है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार वर्ष 2023 में लगभग 1.08 करोड़ लोग टीबी से बीमार हुए और करीब 12.5 लाख लोगों की मृत्यु हुई, यानी लगभग हर 25 सेकंड में एक मौत। भारत में टीबी का बोझ सबसे अधिक है, जहाँ दुनिया के कुल नए मामलों में लगभग 25 प्रतिशत मामले दर्ज होते हैं और हर वर्ष लगभग 3.2 लाख लोगों की मौत इस रोग से होती है।शोध में यह भी सामने आया कि लोहे की कमी होने पर टीबी जीवाणु तीन चरणों वाली जीवन-रक्षा रणनीति अपनाता है। पहले चरण में वह लोहा प्राप्त करने वाले जीन सक्रिय कर साइडरोफोर का उत्पादन बढ़ाता है। दूसरे चरण में वह अपनी लोहा-खपत प्रक्रियाओं को कम कर ऊर्जा बचाने की स्थिति में चला जाता है। तीसरे चरण में जीवाणु अपने शरीर में ऐसे बदलाव करता है, जिससे वह लंबे समय तक सुप्त अवस्था में रह सकता है। यही कारण है कि टीबी कई वर्षों तक शरीर में बिना लक्षण के छिपी रह सकती है और प्रतिरक्षा कमजोर होने पर दोबारा सक्रिय हो जाती है।विशेषज्ञों के अनुसार यह खोज दवा-प्रतिरोधी टीबी के बढ़ते खतरे के संदर्भ में अत्यंत महत्वपूर्ण है। यदि भविष्य में ऐसी दवा विकसित की जाती है, जो साइडरोफोर बनने की प्रक्रिया को रोक सके, तो यह उन जीवाणुओं पर भी प्रभावी हो सकती है, जो मौजूदा दवाओं के प्रति प्रतिरोधी बन चुके हैं।

प्रदेश में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल, 24 आईएएस अधिकारियों के तबादले, इन दस जिलों के बदले डीएम

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। प्रदेश में बाराबंकी, अयोध्या और अम्बेडकरनगर समेत 10 जिलों के डीएम बदल दिए गए हैं। प्रदेश सरकार ने सोमवार को कुल 24 आईएएस अधिकारियों को इधर से उधर कर दिया। मतदाता सूची का विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया पूरी होने के बाद यूपी में तबादला एक्सप्रेस दौड़ गई है। सोमवार को जारी सूची के अनुसार, गाजीपुर के डीएम अविनाश कुमार को अलीगढ़ का डीएम, अपर भूमि व्यवस्था आयुक्त राजस्व परिषद अरविंद सिंह को एटा का डीएम, विशेष सचिव पीडब्ल्यूडी अमित आसेरी को बांदा का डीएम, उपाध्यक्ष बुलंदशहर-खुर्जा विकास प्राधिकरण डॉ. अंकुर लाठर को फर्रूखाबाद का डीएम बनाया गया है।

मुजफ्फरनगर विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष कविता मीना को हापुड़ का डीएम, विशेष सचिव पर्यटन ईशा प्रिया को अम्बेडकरनगर का डीएम, यूपी राज्य औद्योगिक विकास

प्राधिकरण कानपुर नगर के एसीईओ चर्चित गौड़ को सोनभद्र का डीएम, अम्बेडकरनगर के डीएम अनुपम शुक्ला को गाजीपुर का डीएम, बाराबंकी के डीएम शशांक त्रिपाठी को अयोध्या का डीएम, मुख्यमंत्री व नागरिक उड्डयन विभाग के विशेष सचिव और निदेशक नागरिक उड्डयन ईशान प्रताप सिंह को बाराबंकी का डीएम बनाया गया है।

अयोध्या के डीएम निखिल टीकाराम फुंडे को सीएम का विशेष सचिव, एटा के डीएम प्रेम रंजन सिंह को अपर राज्य निदेशक, सर्व शिक्षा अभियान तथा निदेशक मध्यान्ह भोजन अभिकरण, हापुड़ के डीएम अभिषेक पांडेय को अपर भूमि व्यवस्था आयुक्त राजस्व परिषद, अलीगढ़ के डीएम संजीव रंजन को विशेष सचिव कृषि विभाग, बांदा की डीएम जे रीभा को विशेष सचिव भूतत्व एवं खनिकर्म बनाया गया है।

अरुण कुमार विशेष सचिव भूतत्व एवं खनिकर्म और अपर निदेशक भूतत्व एवं खनिकर्म को विशेष सचिव के प्रभार से मुक्त कर दिया गया है। फर्रूखाबाद के डीएम आशुतोष कुमार द्विवेदी को विशेष सचिव पीडब्ल्यूडी, सोनभद्र के डीएम बद्री नाथ सिंह को विशेष सचिव उच्च शिक्षा विभाग के पद की जिम्मेदारी दी गई है।

दीक्षा जैन सीडीओ कानपुर नगर से एसीईओ उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण कानपुर, डॉ. अपराजिता सिंह सिनसिनवार सीडीओ शाहजहांपुर से उपाध्यक्ष बुलंदशहर खुर्जा विकास प्राधिकरण, प्रणता ऐश्वर्या सीडीओ सीतापुर से उपाध्यक्ष मुजफ्फरनगर विकास प्राधिकरण, उत्कर्ष द्विवेदी संयुक्त मजिस्ट्रेट सोनभद्र को सीडीओ शाहजहांपुर, अभिनव जे जैन संयुक्त मजिस्ट्रेट मथुरा को सीडीओ कानपुर नगर और दीक्षा जोशी संयुक्त मजिस्ट्रेट मेरठ को सीडीओ सीतापुर बनाया गया है।

इससे पहले योगी आदित्यनाथ सरकार ने रविवार देर रात बड़ा प्रशासनिक फेरबदल किया था। 40 IAS अफसरों के ट्रांसफर किए गए थे। इनमें 15 जिलों के डीएम को बदल दिया गया था। इनमें से 8 डीएम को एक जिले से हटाकर दूसरे जिले का डीएम बनाया गया था।

सरकार ने देर रात अफसरों की ट्रांसफर लिस्ट जारी की थी। परिवहन विभाग की आयुक्त किंजल सिंह को हटाकर माध्यमिक शिक्षा विभाग का सचिव बनाया गया था। किंजल सिंह 7 महीने पहले ही परिवहन आयुक्त बनी थीं। उनकी जगह केंद्रीय प्रतिनियुक्ति से लौटे आशुतोष निरंजन को नया परिवहन आयुक्त बनाया गया है। योगी सरकार ने 8 कलेक्टरों का ट्रांसफर दूसरे जिले में कर दिया था। जबकि, 7 अफसरों को पहली बार डीएम के रूप में जिम्मेदारी दी गई थी। जिन अफसरों को पहली बार डीएम बनाया गया था, उनमें- ब्रजेश कुमार (ओरैया), आलोक यादव (शामली), अभिषेक गोयल (हमीरपुर), इंद्रजीत सिंह (सुल्तानपुर), अन्नपूर्णा गर्ग (श्रावस्ती), नितिन गौड़ (अमरोहा) और सरनजीत कौर (रायबरेली) शामिल थे।

किन अफसरों का हुआ ट्रांसफर?

गौरांग राठी जिलाधिकारी झांसी बने
इंद्रजीत सिंह जिलाधिकारी सुल्तानपुर बने
कुमार हर्ष जिलाधिकारी बुलंदशहर बने
अन्नपूर्णा गर्ग जिलाधिकारी श्रावस्ती
आलोक यादव जिलाधिकारी शामली
अरविन्द कुमार चौहान DM सहारनपुर
नितिन गौड़ जिलाधिकारी अमरोहा बने
अभिषेक गोयल जिलाधिकारी हमीरपुर
सरनीत कौर ब्रोका DM रायबरेली बनीं
निधि गुप्ता वत्स जिलाधिकारी फतेहपुर
घनश्याम मीना जिलाधिकारी उन्नाव
अंजमी कुमार सिंह DM लखीमपुर खीरी
इंद्रमणि त्रिपाठी जिलाधिकारी मैनपुरी
बृजेश कुमार जिलाधिकारी औरैया बने
मनीष बंसल जिलाधिकारी आगरा बने
अरविंद मलप्पा बांगरी विशेष सचिव CM बने
नितीश कुमार UPPCL के MD बने
श्रुति MD दक्षिणांचल विद्युत निगम बनीं
आशुतोष निरंजन परिवहन आयुक्त बने
किंजल सिंह सचिव माध्यमिक शिक्षा विभाग
दुर्गा शक्ति नागपाल मंडलायुक्त, देवीपाटन मंडल
शशि भूषण लाल सुशील प्रमुख सचिव MSME
आलोक कुमार अपर मुख्य सचिव MSME
रविंदर सिंह विशेष सचिव ऊर्जा बने
मृदुल चौधरी विशेष सचिव पर्यटन बने
अश्विनी कुमार पांडेय निदेशक अल्पसंख्यक कल्याण
हर्षिता माथुर निदेशक बाल विकास विभाग
जुनैद अहमद अपर श्रमायुक्त कानपुर नगर
अनीता वर्मा सिंह विशेष सचिव खाद्य विभाग बनीं
सचिन कुमार सिंह अपर निदेशक कृषि उत्पादन
बसंत अग्रवाल निदेशक कर्मचारी बीमा योजना
हिमांशु गौतम उपाध्यक्ष, झांसी विकास प्राधिकरण
मुकेश चंद्र उपाध्यक्ष हापुड़–पिलखुवा प्राधिकरण
केशव कुमार कुलसचिव राम मनोहर लोहिया विवि
श्रुति शर्मा मुख्य विकास अधिकारी हापुड़ बनीं
गामिनी सिंगला मुख्य विकास अधिकारी बदायूं
सुनील कुमार धनवंता CDO बहराइच बने
पूजा साहू मुख्य विकास अधिकारी अमेठी बनीं
रामेश्वर सुधाकर सब्बनवाड CDO झांसी बने

बिहार में विकास सम्बन्धी चुनौतियों को अवसरों में बदलना होगा नए सम्राट को!

बिहार के नए सम्राट को फूलों की सेज नहीं, बल्कि कांटों का ताज मिला है। चाहे पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार हों, या पूर्व मुख्यमंत्री दम्पत्ति लालू प्रसाद और राबड़ी देवी, कभी भी चैन पूर्वक राज नहीं कर सके। लिहाजा, मौजूदा मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को भी उन जातीय और साम्प्रदायिक चुनौतियों से जूझना होगा, जो बिहार के विकास में शुरू से ही बाधक समझी गई हैं। लेकिन जिस प्रकार से आधुनिक बिहार के निर्माता और प्रथम मुख्यमंत्री श्री कृष्ण सिन्हा को कांग्रेस के सहयोग से लंबे समय तक राज करते हुए जनसेवा का मौका मिला, वैसी ही मौजूदा मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को भाजपा के सहयोग से जनसेवा का मौका मिलेगा। उन्होंने कहा भी है कि पार्टी ने उन्हें पद नहीं, जनसेवा का अवसर दिया है, इसलिए विकास, सुशासन और समृद्धि उनके शासन का मूलमंत्र होगा।

बिहार के आर्थिक विश्लेषक बताते हैं कि बिहार के विकास में श्रीकृष्ण सिन्हा के बाद नीतीश कुमार ने एक बड़ी रेखा खींचने की कोशिश की, प्रगति नजर भी आई, लेकिन महाराष्ट्र, गुजरात, तमिलनाडु, कर्नाटक, आंध्रप्रदेश और हाल के वर्षों में उत्तरप्रदेश के विकास को देखा जाए तो अब भी बिहार के विकास में कई बड़ी बड़ी चुनौतियाँ बाकी हैं, जो आंकड़ों और राज्य की सामाजिक आर्थिक स्थिति को देखने पर साफ दिखती हैं। इसलिए भाजपा की सरकार के सुलझे हुए और समावेशी प्रवृति वाले मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को भी बिहार के समग्र विकास के लिए निम्नलिखित चुनौतियों से जूझना होगा। लेकिन अपने मृदु स्वभाव से वे एक एक करके इनसे पार पा जाएंगे, ऐसा मुझे दृढ़ विश्वास है।

आंकड़े बताते हैं कि बिहार, भारत के सबसे कम आय वाले राज्यों में शुमार है, जहां गरीबी दर अभी भी काफ़ी ऊँची है और रोज़गार की गुणवत्ता कमज़ोर है। समझा जाता है कि शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में निवेश कम होने के कारण यहां की "मानव पूंजी" कमज़ोर है- साक्षरता और स्किल लेवल अभी भी देश के स्तर से काफी नीचे हैं, जिससे युवाओं को अच्छे रोज़गार के अवसर मिलने में दिक्कत होती है। ऐसे में यदि अपराध, जातीय सोच और सांप्रदायिक मिजाज को हतोत्साहित करके इन लक्ष्यों को पाया जा सकता है। इसके लिए अप्रवासी बिहारियों और बिहार मूल के एनआरआई को आकर्षित करने वाली योजनाओं को बनाना होगा और उनपर दृढ़तापूर्वक अमल करना होगा।भारत खबर अपडेट

यद्यपि हार की आबादी का बड़ा हिस्सा अभी भी कृषि पर निर्भर है, लेकिन उत्पादकता और आय दोनों ही अपेक्षाकृत कम हैं। ऐसा इसलिए कि उत्तर बिहार 4 महीना बाढ़ से आक्रांत रहता है और तभी दक्षिण बिहार सूखा से जूझ रहा होता है। खेती और बागवानी यहां पर होती तो है, लेकिन भंडारण सुविधाएँ, बाढ़ प्रबंधन, सिंचाई व्यवस्था, जलवायु परिवर्तन और बारहमासी सिंचाई की सीमित पहुँच जैसे कारकों के कारण कृषि अभी भी बहुत जोखिम भरी और कम लाभ वाली काम साबित होती है। लिहाजा किसानों और मजदूरों के बच्चे परदेश कमाने चले जाते हैं और अपनी उद्यमिता से सबको सुख पहुंचाते हैं।

बिहार में 26 साल पहले हुए राज्य विभाजन के बाद औद्योगिक आधार छोटा हुआ है, क्योंकि अधिकांश बड़े उद्योग-धंधे झारखंड के हिस्से में चले गए। ततपश्चात छोटे और कुटीर उद्योग, हस्तशिल्प, कृषि आधारित उद्योग तकनीकी पिछड़ेपन और वित्तीय अभाव के कारण इनका समग्र विस्तार नहीं हो पा रहे हैं। इस स्थिति को बदलना होगा। इस कारण और निजी निवेश की दृष्टि से बिहार अभी भी "निवेश अनुकूल" राज्यों की पहली पंक्ति में नहीं है, बल्कि तेज़ी के साथ उद्योग बढ़ाने की चुनौती बरकरार है। ऐसे में भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व और राज्य नेतृत्व को चाहिए कि वह महाराष्ट्र और गुजरात की तर्ज पर बिहार-उत्तरप्रदेश में औद्योगिक विकास की गति तेज करे, क्योंकि इन दोनों राज्यों में औद्योगिक रफ्तार तेज होने से लुक ईस्ट की विदेश नीति को मजबूत आधार मिलेगा।

बिहार में सड़क नेटवर्क, बिजली, जल सुविधा, नालियाँ, जनस्वास्थ्य और शहरी बुनियादी ढांचा अभी भी प्रमुख रूप से कमज़ोर जगह बनी हुई हैं। चाहे स्थापित शहर हों या कस्बाई शहर, यहां शहरीकरण बहुत धीमी गति से हो रहा है, जिससे औद्योगिक सेवा अर्थव्यवस्था को उतना बल नहीं मिल पा रहा जितना दूसरे विकसित राज्यों में मिला है। इसलिए नए मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को इस ओर विशेष ध्यान देना होगा, क्योंकि रोजगार के सृजन में इस क्षेत्र का बड़ा इगड6 होता है।

लाल गलियारे का अंत: शाह की 'जीरो टॉलरेंस' नीति ने रची सुरक्षा की नई इबारत

भारत भूषण अरजरिया

अमित शाह

अमित शाह ने बार-बार एक और महत्वपूर्ण बात कही है—'संवाद और पुनर्वास'। उन्होंने उन युवाओं के लिए हमेशा 'लाल कालीन' बिछाई है जो गुमराह होकर हिंसा की राह पर चले गए थे।

भारत की आंतरिक सुरक्षा के इतिहास में यदि किसी एक समस्या ने दशकों तक देश की प्रगति को बाधित किया और हजारों निर्दोषों का लहू बहाया, तो वह नक्सलवाद था। एक समय ऐसा भी था जब तत्कालीन सरकारों ने इसे देश के लिए 'सबसे बड़ा खतरा' स्वीकार किया था, लेकिन इसके समाधान के लिए वह ठोस राजनीतिक इच्छाशक्ति नहीं दिखाई थी जो आज नजर आ रही है। आज जब हम 2026 के मुहाने पर खड़े हैं, तो भारत के नक्शे से 'लाल गलियारे' का सिकुड़ता दायरा और बस्तर के जंगलों में गूंजती शांति इस बात का प्रमाण है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की 'जीरो टॉलरेंस' नीति ने इस नासूर को जड़ से उखाड़ फेंकने का काम किया है।अमित शाह ने गृह मंत्रालय की कमान संभालते ही नक्सलवाद को केवल एक स्थानीय कानून-व्यवस्था की समस्या मानने के बजाय इसे एक राष्ट्रव्यापी सुरक्षा चुनौती के रूप में चिन्हित किया और इसे समाप्त करने के लिए 'समाधान' और 'लौह प्रहार' जैसी रणनीतियों का सूत्रपात किया।

अमित शाह की कार्यशैली का सबसे प्रमुख पहलू उनका 'परिणाम-आधारित' दृष्टिकोण है। उन्होंने अपने विभिन्न भाषणों में बार-बार इस बात पर जोर दिया है कि नक्सलवाद का अस्तित्व केवल बंदूकों के दम पर नहीं, बल्कि विकास की कमी और वैचारिक भ्रम के कारण टिका हुआ था। शाह ने उन 'अर्बन नक्सल' समूहों को भी बेनकाब किया जो शहरों में बैठकर जंगलों में हिंसा फैलाने वालों के लिए वैचारिक कवच तैयार करते थे। गृह मंत्री का मानना है कि लोकतंत्र में हिंसा का कोई स्थान नहीं है, और यदि कोई समूह हथियार उठाकर संविधान को चुनौती देता है, तो उसे उसी की भाषा में जवाब देना राज्य का उत्तरदायित्व है। इसी सोच के तहत उन्होंने सुरक्षा बलों को वह 'फ्री हैंड' दिया, जिसकी मांग वे दशकों से कर रहे थे। आज सुरक्षा बल न केवल नक्सलियों के गढ़ों में घुसकर प्रहार कर रहे हैं, बल्कि उन दुर्गम इलाकों में भी तिरंगा फहरा रहे हैं जहाँ पहले जाना असंभव माना जाता था।

पिछले कुछ वर्षों में, विशेष रूप से छत्तीसगढ़, ओडिशा और झारखंड के सीमावर्ती इलाकों में सैकड़ों नए सुरक्षा कैंप स्थापित किए गए हैं। इन कैंपों ने नक्सलियों की रसद, सूचना तंत्र और छिपने के ठिकानों को पूरी तरह से ध्वस्त कर दिया है। अमित शाह ने व्यक्तिगत रूप से इन क्षेत्रों का दौरा कर जवानों का मनोबल बढ़ाया और उन्हें आधुनिक तकनीक, ड्रोन, सैटेलाइट इमेजरी और संचार के बेहतर साधनों से लैस किया। गृह मंत्री ने संसद में स्पष्ट किया था कि जब तक अंतिम नक्सली हथियार नहीं डाल देता या उसका सफाया नहीं हो जाता, तब तक सरकार चैन से नहीं बैठेगी। अमित शाह की रणनीति केवल सैन्य कार्यवाही तक सीमित नहीं रही है। उनके भाषणों का एक बड़ा हिस्सा 'विकास' को समर्पित रहा है। उनका तर्क है कि जहाँ सड़क पहुँचती है, वहाँ नक्सलवाद पीछे हट जाता है। इसी सोच के साथ उन्होंने सड़क संपर्क परियोजनाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। हजारों किलोमीटर लंबी सड़कों का जाल उन इलाकों में बिछाया गया जहाँ कभी नक्सलियों का खौफ हुआ करता था। शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी क्रांतिकारी बदलाव आए हैं। एकलव्य मॉडल स्कूलों के माध्यम से जनजातीय बच्चों को मुख्यधारा से जोड़ना और मोबाइल टावरों के जरिए डिजिटल इंडिया को घने जंगलों तक पहुँचाना शाह के 'सर्वांगीण विकास' मॉडल का हिस्सा है। जब एक आदिवासी युवक के हाथ में बंदूक के बजाय स्मार्टफोन और रोजगार के अवसर आए, तो नक्सलियों की भर्ती प्रक्रिया स्वतः ही ध्वस्त हो गई।

अमित शाह ने बार-बार एक और महत्वपूर्ण बात कही है—'संवाद और पुनर्वास'। उन्होंने उन युवाओं के लिए हमेशा 'लाल कालीन' बिछाई है जो गुमराह होकर हिंसा की राह पर चले गए थे। सरकार की आत्मसमर्पण नीति को इतना आकर्षक और सुलभ बनाया गया कि हजारों नक्सलियों ने मुख्यधारा में लौटने का फैसला किया। शाह ने अपने भाषणों में स्पष्ट संदेश दिया कि सरकार उन लोगों के प्रति सहानुभूति रखती है जो भटक गए हैं, लेकिन जो निर्दोषों की हत्या और विकास कार्यों में बाधा डालेंगे, उन्हें सुरक्षा बलों के लौह प्रहार का सामना करना पड़ेगा। यह 'कैरेट एंड स्टिक' (पुरस्कार और दंड) की नीति ही थी जिसने नक्सली संगठनों के भीतर दरार पैदा कर दी और उनके नेतृत्व को कमजोर कर दिया।

आज झारखंड का 'बूढ़ा पहाड़' हो या छत्तीसगढ़ का 'अबूझमाड़', इन क्षेत्रों की पहचान अब आतंक के बजाय प्रगति से होने लगी है। अमित शाह ने सुरक्षा बलों, राज्य सरकारों और खुफिया एजेंसियों के बीच जिस तरह का समन्वय स्थापित किया, वह प्रशासनिक कौशल का एक उत्कृष्ट उदाहरण है। उन्होंने 'यूनिफाइड कमांड' के माध्यम से सूचनाओं के आदान-प्रदान को तेज किया, जिससे ऑपरेशन की सटीकता बढ़ी और सुरक्षा बलों के हताहत होने की दर में भारी कमी आई।

अमित शाह का योगदान आधुनिक भारत के निर्माण में एक ऐसे सेनापति के रूप में देखा जाएगा जिसने देश की आंतरिक एकता को खंडित करने वाली सबसे बड़ी शक्ति को घुटने टेकने पर मजबूर कर दिया। उनके नेतृत्व में भारत ने न केवल नक्सलियों को हराया है, बल्कि उन लाखों लोगों के मन में विश्वास जगाया है जो दशकों तक डर और अभाव के साये में जीने को मजबूर थे। आज का भारत अब 'लाल गलियारे' के अंत का जश्न मना रहा है और विकास के नए क्षितिज की ओर अग्रसर है, जहाँ गोलियों की जगह कलम होगी और भय की जगह स्वाभिमान होगा।

टिप्पणी

अमेरिका-ईरान संधि वार्ता.....लौट के वांस अमेरिका आये

महाबली अमेरिका और जुझारू ईरान के दरम्यां अम्न-ओ-अमान की वार्ता फैसलाकुन साबित नहीं हुई और 21 घंटों में ही उसने दमतोड़ दिया, फलतः उपराष्ट्रपति जेडी वांस अपने सहयोगियों-कुश्नर और विटकोफ के साथ अमेरिका लौट आये। उन्होंने बेनतीजा वार्ता को अमेरिका के लिये बुरा और ईरान के लिये बहुत बुरा करार दिया, तो यह साफ हो गया कि अमेरिका को शांति की ज्यादा फिक्र नहीं है और उसके मन में ईरान को तबाह करने का मंसूबा सिर उठाये हुये है।

इस्लामाबाद में हुयी शांति वार्ता में वांस की शिरकत से तेहरान को बड़ी उम्मीदें थीं। एक तो वह उदार माने जाते हैं, दूसरे अन्होंने 28 फरवरी से पेश्तर हंगरी में अपने बयान में ईरान पर धावे की मुखालफत की थी, लेकिन इस्लामाबाद में उनका रवैया अड़यिल रहा और वह ट्रंप के सुर में बोलते दिखे। यूं भी आंतंकवादी राष्ट्र के फौजी शासक की पह?ल पर हुई यह वार्ता शुरू से ही आशंका के आवर्त में रही। वार्ता के दरम्यान इस्त्रायल ने दक्षिण लेबनान पर बमबारी जारी रखी और हिजबुल्लाह प्रमुख नईम कासिम को मार गिराने का दावा किया। उसकी बमबारी से शव?यात्रा में शरीक लोगों समेत करीब डेढ़ हजार लोग हताहत हुये। इस पर तेहरान की आपत्ति पर तेल अवीव ने ढिठाई से उत्तर दिया कि उसका शांति वार्ता से कोई वास्ता नहीं है। इस बीच अमेरिका ने अपना विमानवाहक युद्धपोत भी होरमुज की ओर रवाना किया, जिसे ईरान के ऐतराज के बाद डाइवर्ट किया गया। इससे जाहिर है कि इस्त्रायल अपना ग्रेटर इस्त्रायल, जिस?में गाजा, सिनाई, गोलन हाइट्स समेत सीरिया, लेबनान, जॉर्डन, मिस्त्र आदि के हिस्से शामिल हैं, के मिशन को पूरा करना चाहता है और ट्रंप ईरान को निर्णायक शिकस्त देना चाहते हैं।

तेहरान और वाशिंगटन के बीच झगड़े की जड़ यूरेनियम-संवर्द्धन और होर्मुज जलडमरूमध्य हैं। तेहरान परमाणु बम बनाने का इरादा तो छोड़ सकता है, किंतु परमाणु-संवर्द्धन का मिशन? नहीं। ऐसे ही वह होर्मुज स्ट्रेट के हाथ लगे ब्लैंक-चेक को भुनाने का मौका भी नहीं छोड़ना चाहेगा। शांति तभी संभव है, जब दोनों पक्ष घुटना टेकने के बजाय घुटने मोड़?ने की नीति पर चलें। यह अकारण नहीं है कि न्यूयार्क के मेयर ममदानी ने जंग पर दसियों अरब डालर फूंकने का विरोध किया है, मगर जिद्दी और खब्ती ट्रंप 'मेक अमेरिका ग्रेट अगेन' के फेर में ईरान की मुश्कें कसने के लिये कुछ भी कर सकते हैं, लिहाजा शांति की घड़ियां दूर हैं और तबाही सन्निकट।

ब्लॉग

स्थानीय पोषक खाद्य पदार्थों से थाली सजाएं, एनीमिया को दूर भगाएं

मुकेश कुमार शर्मा

आधी आबादी का करीब आधा हिस्सा आज खून की कमी यानि एनीमिया की समस्या से जूझ रहा है। इस समस्या का सही खानपान के माध्यम से आसानी से समाधान किया जा सकता है। इसके लिए जरूरी है कि बचपन से ही पोषण का खास ख्याल रखा जाए। इसके लिए जरूरी नहीं है कि महंगे खाद्य पदार्थों को बाजार से खरीदकर ही बच्चों को खिलाएं बल्कि स्थानीय स्तर पर प्राप्त पोषण से भरपूर खाद्य पदार्थों, हरी सब्जियों, सहजन और मौसमी फलों को उनकी थाली में शामिल करके उनको स्वस्थ और खुशहाल जीवन का उपहार प्रदान किया जा सकता है। इन खाद्य पदार्थों में आयरन, विटामिन-सी और प्रोटीन युक्त खाद्य पदार्थों की अहम भूमिका होती है। संतुलित आहार के साथ आयरन की गोली लेने से खून की कमी से बचा जा सकता है।

सरकार का भी पूरा जोर एनीमिया मुक्त भारत बनाने पर है। इसी को ध्यान में रखते हुए वर्ष 2018 में एनीमिया मुक्त भारत अभियान की शुरुआत की गयी थी। एनीमिया मुक्त भारत अभियान का उद्देश्य बच्चों, किशोरों और महिलाओं के विभिन्न आयु वर्गों में एनीमिया को कम करना था। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5 (एनएफएचएस-5, 2019-21) के आंकड़ों पर गौर किया जाए तो छह समूहों में एनीमिया की दर पुरुषों (15-49 वर्ष) में 25.0 प्रतिशत, महिलाओं (15-49 वर्ष) में 57.0 प्रतिशत, किशोरों (15-19 वर्ष) में 31.1 प्रतिशत, किशोरियों में 59.1 प्रतिशत, गर्भवती (15-49 वर्ष) में 52.2 प्रतिशत और बच्चों (6-59 महीने) में 67.1 प्रतिशत है। एनीमिया मुक्त भारत अभियान के तहत साल भर चलने वाले व्यापक व्यवहार परिवर्तन संचार (बीसीसी) अभियान का उद्देश्य है कि आयरन फोलिक एसिड अनुपूरण और कृमिनाशक दवाओं के अनुपालन में सुधार किया जाए, शिशु और छोटे बच्चों के लिए उचित पोषण प्रथाओं को बढ़ावा दिया जाए, आहार विविधता, मात्रा, आवृत्ति और फोर्टिफाइड खाद्य पदार्थों के माध्यम से आयरन युक्त भोजन के सेवन में वृद्धि को प्रोत्साहित किया जाए, जिसमें स्थानीय रूप से उपलब्ध संसाधनों का उपयोग करने पर विशेष जोर दिया जाए।

किशोरावस्था एक ऐसे शारीरिक बदलाव का दौर होता है, जब शरीर के सम्पूर्ण विकास के लिए आयरन, कैल्शियम और प्रोटीन की अधिक मात्रा की जरूरत होती है। यही दौर जीवन की ऊँची उड़ान और मनमुताबिक़ मुकाम हासिल करने का भी होता है। ऐसे में एनीमिया से उन्हें सुरक्षित बनाने के लिए भोजन में हरे पत्तेदार सब्जियों को जरूर शामिल करें ताकि भरपूर मात्रा में शरीर को आयरन की मात्रा मिल सके। इन सब्जियों में स्थानीय स्तर पर पर्याप्त मात्रा में मिलने वाली भिंडी, मटर, सेम की फलियाँ, चौलाई, पालक, बथुआ, मेथी, सहजन और सरसों के साग को शामिल किया जा सकता है। यह सब्जियां हीमोग्लोबिन बढ़ाने में बहुत ही मददगार साबित होती हैं। इनके अवशोषण को बढ़ाने के लिए इनमें नींबू या टमाटर के साथ पकाकर खाना ज्यादा फायदेमंद साबित हो सकता है। पालक और सहजन में जहाँ आयरन की मात्रा भरपूर होती है वहीँ मेथी में आयरन के साथ फाइबर और अन्य पोषक तत्व भी उच्च मात्रा में होते हैं।

बेहतर स्वास्थ्य के लिए स्थानीय स्तर पर आसानी से उपलब्ध मोटा अनाज और दाल को भी जरूर प्राथमिकता दें। इनमें मक्का, बाजरा, रागी, ज्वार, राजमा, नट्स, चना दाल, काला चना, सोयाबीन और मसूर आदि को भोजन में शामिल कर बेहतर स्वास्थ्य प्राप्त किया जा सकता है। दैनिक आहार में पीले एवं नारंगी फलों को भी शामिल करके शरीर को सुडौल और आकर्षक बनाया जा सकता है। इनमें पपीता, आम, खरबूज, कद्दू, गाजर आदि को शामिल किया जा सकता है। इसके अलावा तिल, गुड़, चना और अलसी भी शरीर के लिए फायदेमंद साबित हो सकते हैं।

विटामिन –सी युक्त आहार भी एनीमिया की समस्या से निजात दिलाने में बहुत बड़ी भूमिका निभाते हैं। इसके लिए अंकुरित चना/दाल, आंवला, नींबू, संतरा, टमाटर, अंगूर, अमरुद आदि को लिया जा सकता है। यह सभी ऐसे खाद्य पदार्थ हैं जो स्थानीय स्तर पर मौसम के अनुरूप आसानी से कम कीमत पर मिल सकते हैं, बस जरूरत है इनको अपनाने की। यह भी जानना जरूरी है कि शारीरिक बदलावों के मुताबिक़ सही पोषण का मतलब केवल भरपेट भोजन से नहीं है बल्कि यह देखना जरूरी है कि वह कितने पोषक खाद्य पदार्थों से भरपूर है। समुदाय में इस बारे में जागरूकता की भी जरूरत है ताकि उनको ज्ञात हो सके कि शरीर को भरपूर ऊर्जा के लिए जहाँ कार्बोहाइड्रेट की जरूरत होती है वहीँ मांशपेशियों की मजबूती और वृद्धि के लिए शरीर को पर्याप्त मात्रा में प्रोटीन की भी जरूरत होती है। इसी प्रकार वसा, विटामिन, खनिज और पानी की भी शरीर को जरूरत होती है। यह जरूरत अमूमन हर आयु वर्ग के लोगों को होती है किन्तु कुछ खास शारीरिक गतिविधियों या बदलावों के समय इनकी मात्रा अलग-अलग हो सकती है।

गर्मी का मौसम दस्तक दे चुका है, ऐसे में गर्मी से बचने के लिए बहुत ही सजग और सुरक्षित रहने की जरूरत है। खुले में काम करने वालों को तो इससे बचने के हर जरूरी इंतजाम का खास ख्याल रखना चाहिए। इसके लिए जरूरी है कि हर दिन पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं। घर से कुछ खाकर ही बाहर निकलें, खाली पेट कदापि न निकलें। इस समय अधिक तैलीय खाद्य पदार्थों से बचना ही श्रेयस्कर होगा। गर्मी में चुस्त कपड़े न पहनकर हल्के या ढीले कपड़े पहनकर ही बाहर निकलें। मध्य दोपहर में घर से बाहर तभी निकलें जब बहुत जरूरी हो। यह भी ध्यान रहे कि भीषण गर्मी में चक्कर आये, तेज बुखार हो या उल्टी आये तो स्थानीय स्वास्थ्य केंद्र पर जाकर चिकित्सक से अवश्य सम्पर्क करें।

(लेखक पापुलेशन सर्विसेज इंटरनेशनल इंडिया के एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर हैं)

चैकिया धाम का सौंदर्यीकरण प्रोजेक्ट ठप

जौनपुर। मां शीतला धाम चैकिया का सौंदर्यीकरण प्रोजेक्ट महीनों से ठप पड़ा है। मां विंध्यवासिनी कॉरिडोर की तर्ज पर शुरू किया गया यह कार्य अब तक पूरा नहीं हो सका है। गलियों को सीसी मार्ग में बदलने के लिए खोदा गया था, लेकिन उन्हें बदहाल स्थिति में छोड़ दिया गया है, जिससे दूर-दराज से आने वाले श्रद्धालुओं को भारी असुविधा हो रही है।धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से इस परियोजना में दीवारों पर नक्काशीदार पत्थर (स्टोन सेटिंग), अत्याधुनिक शौचालय और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिए एक मंच का निर्माण प्रस्तावित था। हालांकि, वर्तमान में नालियों का निर्माण अधूरा है और चारों ओर गंदगी का अंबार लगा है। गलियों में बिछी इंटरलॉकिंग को भी हटा दिया गया है, जिससे अब धूल उड़ने के कारण राहगीरों को चलने में कठिनाई हो रही है। प्रशासन की इस धीमी गति पर परियोजना की मंशा को लेकर सवाल उठ रहे हैं। स्थानीय निवासियों का कहना है कि काम महीनों से रुका हुआ है।

मुठभेड़ में एक गोतस्कर घायल, दो घायल

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। खुटहन थाना क्षेत्र में पुलिस और कथित गौ तस्करों के बीच मुठभेड़ में एक आरोपी घायल हो गया, जबकि उसके दो साथी अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गए। पुलिस ने घायल आरोपी को गिरफ्तार कर उपचार के लिए अस्पताल भेज दिया है।पुलिस के अनुसार खुटहन थाना प्रभारी पुलिस टीम के साथ क्षेत्र में चेकिंग कर रहे थे। इसी दौरान सूचना मिली कि रसूलपुर स्थित रामअधार इंटर कॉलेज के पास जंगल क्षेत्र में कुछ लोग छुट्टा गोवंशीय पशुओं को पकड़कर वध के लिए ले जाने की फिराक में हैं। सूचना के बाद पुलिस टीम ने सेवई नाला के आगे रसूलपुर जाने वाले कच्चे मार्ग पर घेराबंदी की। पुलिस का दावा है कि खुद को घिरता देख आरोपियों ने पुलिस टीम पर फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस द्वारा आत्मसमर्पण की चेतावनी दिए जाने के बावजूद फायरिंग जारी रही। इसके बाद पुलिस ने आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की।पुलिस के मुताबिक जवाबी फायरिंग में हसनैन उर्फ गज्जू के पैर में गोली लगी, जिसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया। घायल आरोपी की पहचान हसनैन उर्फ गज्जू पुत्र हद्दीश निवासी बीरी समसुद्दीनपुर थाना खुटहन, हाल निवासी लेदरही थाना खेतासराय के रूप में हुई है।घटना के दौरान इकबाल उर्फ गज्जू निवासी लमहन थाना महाराजगंज और आशिक निवासी बीरी समसुद्दीनपुर थाना खुटहन मौके से फरार हो गए। पुलिस उनकी तलाश में दबिश दे रही है।पुलिस ने मौके से एक देशी तमंचा 315 बोर, दो खोखा कारतूस, एक अवैध चाकू, रस्सी और एक मोटरसाइकिल बरामद करने का दावा किया है। गिरफ्तार आरोपी पर पहले से गोवध निवारण अधिनियम, शस्त्र अधिनियम, एनडीपीएस एक्ट समेत कई मामलों में मुकदमे दर्ज हैं।

फांसी लगाकर खुदखुशी करने का किया प्रयास

जौनपुर। नगर पंचायत केराकत के मोहल्ला सिपाह प्रथम वार्ड नम्बर 9 के निवासी 16 वर्षीय समीर कुरैशी उम्र सुकरू कुरैशी ने किसी बात से नाराज होकर फाँसी लगाकर खुदखुसी करने का प्रयास किया!परिजनों ने देखते ही समीर को आनन फानन में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए जहाँ प्रथम उपचार के बाद हालत बिगड़ती देख जिला चिकित्सालय रेफर कर दिया गया।समीर मोहल्ला शेखजादा के रोड पर स्थित एक दुकान पर नानरोटी बनाने का काम करता था! इस बात की सूचना मिलनें पर मोहल्ले और बाजार क्षेत्र में लोगों द्वारा तरह तरह के चर्चा परिचर्चा का माहौल बना हुआ है । जिला चिकित्सालय में बेहतर उपचार के बाद उसे आराम मिलनें पर परिवार के लोगों द्वारा समीर को घर लेकर आया गया!घर पहुँचनें पर समीर को देखने के लिये मोहल्ले वासियो और आसपास के लोगों द्वारा देखने के लिये लोगों का आना जाना लगा रहा।

पराली को छोड़कर जानवरों के प्रति उपकार करें

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। मछलीशहर तहसील क्षेत्र में इस समय गेहूं की कटाई मड़ाई का काम लगभग समापन की तरफ है। हार्वेस्टर से गेहूं की फसल की कटाई के बाद गेहूं की पराली खेतों में छूटी हुई है।अभी तत्काल इन खेतों में किसानों को किसी फसल की बुआई भी नहीं करनी है और पराली को खेतों में जलाना भी मिट्टी की सेहत के लिए अच्छा भी नहीं है लेकिन कुछ लोगों की आदत ही माचिस मारने की होती है जब तक पराली को आग न लगा दें तब तक कलेजे को ठंडक पहुंचती ही नहीं है।हम इंसानों के घरों में अनाज तो चला गया लेकिन इस पराली पर आश्रित जानवरों का हिस्सा हम भस्म कर देते हैं। तहसील क्षेत्र के ग्रामीण इलाकों में बहुत जगह जली पराली वाले खेत देखने को मिल जायेंगे। भेड़, बकरियां,गाय,भैंस इस पराली से लाभ उठाती हैं।इस सम्बन्ध में क्षेत्र के बामी गांव के किसान रवीन्द्र सिंह कहते हैं कि गेहूं की पराली में गेहूं की गिरी बालियां और दाने होते हैं जो भेड़ बकरियां बीनकर खा जाती हैं तथा मेड़ों पर हल्की हरी घास होती है जो जानवरों को चरने के काम आती है लेकिन आग लगाने से पराली के साथ- साथ घास भी जलकर राख हो जाती है।अभी तत्काल कोई फसल भी नहीं पैदा करनी है ऐसे में पराली को यथास्थिति में छोड़कर हम चरने वाले जानवरों के प्रति उपकार कर सकते हैं।

सट्टे के कर्ज में डूबे पोस्टमास्टर ने दोस्त के घर दी जान... लेनदारों के दबाव में खत्म कर ली जिंदगी

आर्यावर्त संवाददाता

कानपुर। यूपी के कानपुर जिले के बिल्हौर कस्बे में डाक विभाग के एक पोस्टमास्टर के आत्महत्या करने का मामला सामने आया है। मृतक ने अपने दोस्त के घर फांसी लगाकर सुसाइड किया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा दिया है और मामले की जांच कर रही है। घटना बिल्हौर कोतवाली क्षेत्र की है।

शुरुआती जानकारी के अनुसार मृतक सट्टे में कर्ज में डूबा हुआ था और लेनदारों के दबाव से मानसिक रूप से परेशान चल रहा था। मृतक की पहचान सौरभ शर्मा के रूप में हुई है। मृतक हरियाणा के महेंद्रगढ़ जिले के कानेना थाना क्षेत्र के चेलवान गांव का रहने वाला था। वह कानपुर देहात के रसूलाबाद क्षेत्र के वीरहूं गांव स्थित डाकघर में ब्रांच पोस्ट मास्टर के पद पर तैनात था। बताया जा रहा है कि वह बीती रात अपने घर जाने के दौरान बिल्हौर में अपने दोस्त रोहित के कमरे पर रूक था। वह भी डाक विभाग में काम करता है।

फांसी लगाकर की आत्महत्या

रात में दोनों ने साथ खाना खाया और फिर सोने चले गए। सुबह जब काफी देर तक कमरे का दरवाजा नहीं खुला तो रोहित को शक हुआ। उसने खिड़की से झांककर देखा तो अंदर का नजारा देखकर सन्न रह गया। सौरभ ने मफलर के सहारे फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। उसने तुरंत इसकी जानकारी पुलिस को दी। सूचना मिलते ही बिल्हौर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और दरवाजा तोड़कर शव को नीचे उतारा। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस के मुताबिक प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का लग रहा है, हालांकि मौके से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है।

कर्ज में डूबा था मृतक

रोहित ने पुलिस को बताया कि सौरभ सट्टे में पैसे हार गया था और उस पर बहुत कर्ज हो गया था। लेनदार लगातार उस पर पैसे लौटाने का दबाव बना रहे थे। हालात इतने खराब हो गए थे कि सौरभ ने अपना मोबाइल फोन तक बेच दिया था और नंबर भी बंद कर दिया था। इसी तनाव में उसने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस के अनुसार मृतक के परिजन देर कानपुर पहुंच गए हैं, लेकिन अभी तक कोई लिखित शिकायत नहीं दी गई है। पुलिस का कहना है कि तहरीर मिलने के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

भागवत कथा की बहेगी भक्ति की बयार

जौनपुर। उत्तर प्रदेश की ऐतिहासिक धरती और जौनपुर जनपद आगामी 21 अप्रैल से पूरी तरह सनातन धर्म के रंग में रंगने जा रहा है। शहर के प्रतिष्ठित बीआरपी इंटर कॉलेज के मैदान में अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त कथा वाचक, श्रद्धेय शिवानंद भाई श्री महाराज द्वारा सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा का भव्य आयोजन किया जाएगा। पत्रकार संघ भवन में आयोजित एक पत्रकार वार्ता के दौरान, सनातन धर्म के ध्वजवाहक और जनमानस के प्रिय शिवानंद महाराज ने इस वृहद आयोजन की रूपरेखा साझा की। प्रतिदिन सायं 5 बजे से रात्रि 9 बजे तक।व्यवस्थारू कथा पांडाल में एक साथ 10,000 श्रद्धालुओं के बैठने की सुव्यवस्थित व्यवस्था की गई है।कथा के प्रत्येक दिन आने वाले सभी श्रद्धालुओं के लिए महाप्रसाद का विशेष प्रबंध रहेगा। महाराज जी ने कहा कि श्रीमद्भागवत कथा केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि आत्मा को परमात्मा से जोड़ने का माध्यम है।

‘इतने बड़े घर में एक ढंग का ताला तो लगवा लेते...’ पकड़े जाने पर चोरों ने और क्या कहा?

आर्यावर्त संवाददाता

वाराणसी। वाराणसी हुई करीब 40 लाख रुपये के आभूषणों की बड़ी चोरी का पुलिस ने खुलासा किया है। पुलिस ने मामले में दो इनामी बदमाशों को गिरफ्तार किया है। कर लिया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी गए सभी सोने-चांदी के गहने भी बरामद किए हैं। घटना के लंका थाना क्षेत्र की है।

पुलिस के मुताबिक यह कार्रवाई अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत की गई। मामले की जांच में पुलिस ने करीब 250 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली, जिसके बाद आरोपियों को गिरफ्तार किया।

कब हुई थी चोरी?

घटना 5 अप्रैल 2026 को सामने आई थी, जब गायत्री नगर निवासी पीड़ित ने थाना लंका में शिकायत दर्ज कराई। उसने बताया कि वह अपनी पत्नी के साथ 31 मार्च को अपने गांव रोहतास गया था। 4 अप्रैल को लौटने पर घर का मुख्य ताला तो सही मिला, लेकिन अंदर का ताला टूटा हुआ था और ऊपर के कमरों में रखी अलमारियां व बक्से खंगाले गए थे और घर का सारा सामान बिखरा पड़ा था। घर से पुश्तैनी गहने और कपड़े चोरी हुए थे।

बदमाशों पर घोषित किया गया था इनाम

लगातार निगरानी और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर पुलिस टीम ने 17 अप्रैल को सीर गोवर्धनपुर स्थित काशीपुरम कॉलोनी के पास से दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया। पकड़े गए बदमाशों की पहचान 38 वर्षीय मोहम्मद शारिक जमाल अंसारी और 27 वर्षीय रेयाज अकरम के रूप में हुई है। दोनों बजरडीहा क्षेत्र के निवासी हैं। दोनों पर 25-25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने चोरी की वारदात कबूल कर ली। पुलिस पुछताछ में बदमाशों ने बताया कि इतना बड़ा घर, इतने कमरे और सिर्फ एक छोटा सा ताला लगा था। कम से कम ताला तो ढंग का लगाना था। पुलिस के अनुसार, उनके पास से 4 हार, 1 मंगलसूत्र, 2 कंगन, 4 झुमके, 4 अंगूठियां, 11 कान के टप्स, 3 लॉकेट, 2 माथा बेंदी, 1 नथ, 1 चेन, चांदी की पायल, पैजनी, बिछिया, सिक्के सहित अन्य जेवरात बरामद किए गए है। जानकारी के अनुसार मोहम्मद शारिक का आपराधिक रिकॉर्ड भी रहा है और उसके खिलाफ पहले से एनडीपीएस एक्ट समेत अन्य मामलों में मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस ने दोनों आरोपियों को जेल भेज दिया है।

फांसी पर लटका मिला विवाहिता का शव

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। मड़ियाहूं तहसील क्षेत्र के चित्तापुर गांव में विवाहिता 30 वर्षीया लक्ष्मी देवी का शव संदिग्ध परिस्थितियों में कमरे में फांसी के फंदे से लटका मिला। मृतका के परिजनों ने दहेज हत्या का आरोप लगाया है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।लक्ष्मी देवी की मौत से कुछ समय पहले के दो वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुए हैं। एक वीडियो में विवाहिता रोते हुए कह रही है कि उसके ससुराल वालों ने दहेज के लिए उसे फांसी लगाकर मार डाला। दूसरे वीडियो में वह कहती दिख रही है कि दहेज के लिए ताना देकर उसे मरने पर मजबूर किया गया। सूचना मिलने पर मृतका के मायके वाले, नेवढ़यिा थाना क्षेत्र के शेखूपुर गांव निवासी पिता शिव अधार पटेल और भाई सचिन पटेल मौके पर पहुंचे। उन्होंने नेवढ़यिा थाने में तहरीर दी, जिसमें आरोप लगाया गया है कि उनकी बेटी लक्ष्मी पटेल की शादी मई 2019 में अजय पटेल (निवासी चित्तापुर, धनेथु) से हुई थी।तहरीर के अनुसार, शादी में 2 लाख रुपए नकद, एक हीरो होंडा मोटरसाइकिल, 10 ग्राम सोने की चेन, एक अंगूठी और अन्य घरेलू सामान दिया गया था। इसके बावजूद, पति अजय पटेल, देवर मोहित पटेल, सास सुमित्रा और ससुर लालचंद पटेल संतुष्ट नहीं थे। वे चार पहिया गाड़ी की मांग को लेकर लक्ष्मी देवी को शारीरिक और मानसिक रूप से प्रताड़ति करते थे। मृतका की दो नाबालिग बेटियां हैं, नित्या (5 वर्ष) और नव्या (3 वर्ष)। पिता ने आरोप लगाया है कि पति अजय पटेल, ससुर लालचंद पटेल, देवर मोहित पटेल और सास सुमित्रा लगातार दहेज की मांग करते थे।

लू और गर्म हवा से बचाव हेतु एडवाइजरी जारी

जौनपुर। अपर जिलाधिकारी, (वित्त एवं राजस्व) ने अवगत कराया है कि जनपद में पारा 44डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जा रहा है जिसके कारण लू प्रकोप एवं गर्म हवा चलने की संभावना है जिसके दृष्टिगत लू से जनहानि भी हो सकती है। इसके असर को कम करने के लिए और लू से होने वाली मौतों की रोकथाम के लिए सावधानियों बरतें कड़ी धूप में बाहर न निकले, खासकर दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक की बीच में। जितनी बार हो सके पानी पिये, प्यास न लगे तो भी पानी पियें। हल्के रंग के ढीले-ढाले सूती कपडे पहने। धूप से बचने के लिए गमछा, टोपी, छाता, धूप का चश्मा, जूते और चप्पल का इस्तेमाल करें। यात्रा करते समय अपने साथ पानी अवश्य रखें। अगर आपका काम बाहर का है तो टोपी, गमछा या छाते का इस्तेमाल जरूर करें और गीले कपड़े को अपने चेहरे, सिर और गरदन पर रखें। अगर आपकी तबियत ठीक न लगे या चक्कर आये तो तुरन्त डॉक्टर से सम्पर्क करें।

‘मेरी मां मर गई, मैं भी मर जाऊंगा और बेटियों को...’, कानपुर में जुड़वा बहनों का कातिल पिता क्यों अलापता था ये राग?

आर्यावर्त संवाददाता

कानपुर। उत्तर प्रदेश के कानपुर में एक पिता की रूह कंपा देने वाली क्रूरता ने सबको सन्न कर दिया है। आरोपी शशि रंजन मिश्रा अक्सर अपनी पत्नी से कहता था, “मेरी मां मर गई है, अब मैं भी जीना नहीं चाहता। मैं मर जाऊंगा और अपनी बेटियों को भी साथ ले जाऊंगा, तुम बस अपने बेटे को पाल लेना।” किसी ने नहीं सोचा था कि अपनी बेटियों से ‘बेहद प्यार’ का दावा करने वाला शख्स ही उनका काल बन जाएगा।

पुलिस पूछताछ में इस जघन्य अपराध की कड़ियां एक-एक कर जुड़ रही हैं। आरोपी शशि ने स्वीकार किया कि उसने 18 अप्रैल को ही बेटियों को मारने का प्लान बना लिया था। इसके लिए उसने काकदेव इलाके से 500 रुपये में एक धारदार चापड़ (चाकू) खरीदा था। वारदात

वाली रात उसने अपनी 11 साल की दोनों जुड़वां बेटियों के खाने में नशीली गोलियां मिला दीं। जब मासूम बच्चियां बेहोश हो गईं, तो पहले उसने उनका गला घोंटा और फिर चापड़ से उनका गला रेत दिया।

भविष्य की चिंता या मानसिक सनक?

शशि रंजन मिश्रा पहले एक मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव (MR) था, लेकिन नौकरी छूटने के बाद वह बेरोजगार हो गया था। आर्थिक तंगी और डिप्रेशन के कारण वह शराब और नशे की गोलियों का आदी हो गया था। उसने पुलिस को बताया कि वह अपनी बेटियों से बहुत प्यार करता था और उसे डर था कि उसके मर जाने के बाद उनका क्या होगा। इसी भविष्य की चिंता के नाम पर उसने मासूमों की जान ले ली। हैरानी की बात यह है कि उसने अपनी बेटियों को अच्छी शिक्षा दिलाने के लिए किदवई नगर के नामी स्कूल में दाखिला कराया था, जहां उसका छोटा बेटा भी एलकेजी का छात्र है।

शक का घेरा और घर में लगे CCTV

पत्नी रेशमा ने बताया कि उनका वैवाहिक जीवन नरक जैसा था। शशि उस पर बेवफाई का शक करता था और इसी सनक में उसने पूरे घर के भीतर CCTV कैमरे लगवा दिए थे ताकि वह रेशमा की हर हरकत पर नजर रख सके। वारदात की रात भी रेशमा अपने 6 साल के बेटे के साथ अलग कमरे में सो रही थी, जबकि शशि बेटियों के साथ दूसरे कमरे में था। रात करीब ढाई बजे तक बच्चियां जीवित थीं, जिसका सबूत घर में लगे उन्हीं कैमरों में मिला है जब शशि एक बेटी को टॉयलेट ले जाता दिखा।

खुद किया फोन, पर नहीं कर सका सुसाइड

बेटियों की हत्या करने के बाद शशि खुद भी सुसाइड करना चाहता था, लेकिन हिम्मत नहीं जुटा सका। सुबह करीब साढ़े चार बजे उसने खुद पुलिस को फोन कर अपने जुर्म की जानकारी दी। जब पुलिस पहुंची, तो कमरे का मंजर देखकर अनुभवी अफसरों के भी रोंगटे खड़े हो गए। मां रेशमा को पुलिस के आने तक खबर भी नहीं थी कि उसके बगल वाले कमरे में उसकी कोख सूनी हो चुकी है।

पुलिस की कार्रवाई

डीसीपी साउथ दीपेंद्र चौधरी के अनुसार, पत्नी रेशमा की तहरीर पर नौबस्ता थाने में आरोपी पति शशि रंजन मिश्रा के खिलाफ FIR दर्ज कर ली गई है। पुलिस की जांच में हत्या के पीछे आर्थिक तंगी, डिप्रेशन, पारिवारिक कलह, और आपसी मतभेद जैसे कई पहलू सामने आए हैं। फिलहाल आरोपी पुलिस की गिरफ्त में है और मामले की कानूनी कार्रवाई जारी है।

लेडी IAS किंजल सिंह, 7 महीने में रातोरात तबादला... क्यों हुई साइडलाइन

आर्यावर्त संवाददाता

मेरठ। ये कहानी है 2008 बैच की आईएएस अधिकारी किंजल सिंह की, जिन्हें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सरकार के बड़े प्रशासनिक फेरबदल में रविवार देर रात माध्यमिक शिक्षा विभाग की सचिव बना दिया गया। उनकी जगह केंद्रीय प्रतिनियुक्ति से लौटे 2010 बैच के आशुतोष निरंजन को परिवहन आयुक्त बनाया गया। लेकिन असली कहानी शीर्ष स्तर पर छिपे टकराव की है।

प्रशासनिक हलकों में चर्चा है कि किंजल सिंह को हटाने का सबसे बड़ा कारण परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह के साथ तालमेल की कमी था। सूत्र बताते हैं- विभागीय कामकाज को लेकर असंतोष था। मंत्री और आयुक्त के बीच कई अहम फैसलों पर मतभेद उभरे। किंजल सिंह परिवहन आयुक्त बनीं तो 16 सितंबर 2025 को। तब

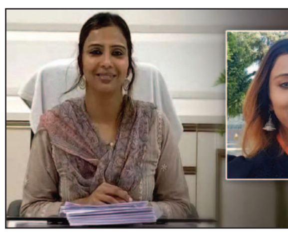

से लेकर अब तक उन्होंने ओवरलोडिंग पर सख्ती बरती। कई पीटीओ (परिवहन अधिकारी) और कर्मचारियों को निलंबित किया, जिन पर ओवरलोडिंग रैकेट में शामिल होने के आरोप थे। कुछ फैसलों में मंत्री के इशारे पर न चल पाने या अपने स्तर पर तेजी से एक्शन लेने के कारण टकराव बढ़ा।

मंत्री दयाशंकर सिंह परिवहन विभाग में ‘ओवरलोडिंग पर लगाम’ लगाने का दावा करते आए हैं। लेकिन जब आयुक्त स्तर पर बिना ‘समन्वय’ के बड़े-बड़े सस्पेंशन हुए, तो दोनों के बीच अनबन की बात सामने आई। प्रशासनिक गलियारों में यह भी चर्चा है कि नई ट्रांसफर पॉलिसी लागू होने से पहले किसी बड़े विवाद से बचने के लिए भी यह बदलाव किया गया।

कौन हैं किंजल सिंह?

बलिया जिले की रहने वाली किंजल सिंह UP कैडर की मशहूर महिला आईएएस हैं। उन्होंने बहरीच, लखीमपुर खीरी, सीतापुर और अयोध्या जैसे जिलों में डीएम के रूप में काम किया। चिकित्सा शिक्षा विभाग की महानिदेशक रह चुकी हैं। ऐसा कहा जा रहा है कि जब उन्हें इतनी महत्वपूर्ण पोस्ट से साइडलाइन पोस्टिंग माध्यमिक शिक्षा सचिव) मिली। मंत्री के साथ पर्सनल-प्रोफेशनल केमिस्ट्री नहीं बनी। माध्यमिक शिक्षा सचिव पद को शासन में ‘साइडलाइन’ माना जा रहा है। वहीं, दूसरे सूत्रों का कहना है कि यह सामान्य प्रशासनिक फेरबदल का हिस्सा है, लेकिन 7 महीने का छोटा कार्यकाल और मंत्री से टकराव की खबरें इसे चर्चा का विषय बना रही हैं।

40 आईएएस के ट्रांसफर

योगी सरकार ने रविवार देर रात राज्य की प्रशासनिक व्यवस्था में बड़ा बदलाव करते हुए 40 IAS अधिकारियों के तबादले कर दिए हैं। इस फेरबदल में 15 जिलों के जिलाधिकारी (DM) बदल दिए गए हैं, जबकि कई महत्वपूर्ण विभागों के विभागाध्यक्षों और शासन स्तर के अधिकारियों को भी नई जिम्मेदारी सौंपी गई है।

माटीकला बोर्ड से 10 लाख तक ऋण देने का प्राविधान

जौनपुर। जिला ग्रामोद्योग अधिकारी वी0के0 सिंह ने अवगत कराया है कि उत्तर प्रदेश खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्डध्उत्तर प्रदेश माटीकला बोर्ड द्वारा मुख्यमंत्री माटीकला रोजगार योजना विभाग में संचालित है। जिसके अन्तर्गत मिट्टी का खिलौना निर्माण, मिट्टी के प्रेशर कूकर, घड़ा, सुराही, जग, कुल्हड़, गिलास, कटोरी, अचारदानी, कप-प्लेट, डोंगे, फ्लोर टाइल्स, कफ टाइल्स, पाइप, गुलदस्ता, गार्डन पाट्स इत्यादि हेतु प्रशिक्षित उद्यमियों को अधिकतम रूपया 10.00 लाख के ऋण दिलाये जाने का प्राविधान किया गया है। जिस पर विभाग द्वारा लाभार्थी को पूंजीगत ऋण पर 25 प्रतिशत मार्जिनमनी अनुदान देय है। आवेदन पत्र के साथ निम्नानुसार कागजात पासपोर्ट फोटोग्राफ, आधार कार्ड, जाति प्रमाण पत्र, शिक्षा का प्रमाण पत्र, निवास प्रमाण पत्र के साथ जिला ग्रामोद्योग कार्यालय जौनपुर में वित्तीय वर्ष 2026-27 हेतु आनलाईन आवेदन के माध्यम से आनलाईन कर हार्ड कॉपी समस्त प्रपत्रां सहित कार्यालय में जमा कर सकते है।

नाबालिग से बर्बरता करने वाला एनकाउंटर में ढेर... 4 साल की भांजी का रेप के बाद किया था मर्डर, 50 हजार था इनाम

आर्यावर्त संवाददाता

गाजियाबाद। उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद में 4 साल की बच्ची के साथ रेप और आरोपी 50 हजार के इनामी मोहम्मद जसीम उर्फ छोटू को एनकाउंटर में मार गिराया गया है। उसे एडीसीपी क्राइम पीयूष सिंह और ACP क्राइम के नेतृत्व में टीम ने मुठभेड़ में ढेर किया। जसीम उर्फ छोटू बच्ची का सगा मामा था। इस मुठभेड़ में दो कॉन्स्टेबल भी जख्मी हुए हैं। उन्हें हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। जसीम के दो साथी कौन थे और उनका क्या रोल था, इसकी जांच और उनकी तलाश की जा रही है। आरोपी पर 50 हजार का ईनाम भी था।

जानकारी के मुताबिक, पुलिस ने टीला मोड़ के पास आरोपी को घेर लिया था। जिसके बाद वो बचने की कोशिश कर रहा था। इस दौरान पुलिस ने फायरिंग की तो जिसमें आरोपी घायल हो गया। घायल आरोपी की पुलिस अस्पताल लेकर पहुंची जहां उसे डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

पुलिस को सूचना मिली थी की कि टीला मोड़ के क्षेत्र में जसीम अपने कुछ साथियों के मौजूद है। पुलिस टीम को तत्काल एक्टिव किया गया और अलग-अलग जगहों पर बैरिकेडिंग कर चेकिंग लगाई गई। बनथला नहर कट के पास में अपने कुछ साथियों के साथ जसीम आता हुआ दिखाई दिया। स्वात टीम की ओर से उसे रोकने का प्रयास किया गया, लेकिन उसने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी।

जबाबी कार्रवाई में हुआ ढेर

आरोपी ने पुलिस पर फायरिंग कर भागने की कोशिश की। पुलिस ने आत्मरक्षा में जवाबी फायरिंग की। मुठभेड़ में दो कॉन्स्टेबल भी घायल हुए हैं। पुलिस की फायरिंग में गोली लगने से घायल जसीम को हॉस्पिटल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। दोनों कॉन्स्टेबल को भी उपचार के लिए हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। पुलिस मुठभेड़ में ढेर आरोपी ने अपनी ही चार साल की भांजी के साथ दुष्कर्म करने के बाद हत्या कर शव को एक कार के नीचे फेंका था। इसके बाद से फरार चल रहा था पुलिस ने आरोपी पर 50 हजार का इनाम भी घोषित किया था।

विटामिन C से सैलिसिलिक एसिड तक स्किन केयर प्रोडक्ट में ट्रेंड कर रहे ये इंग्रिडियंट्स

आज के समय में स्किनकेयर सिर्फ क्रीम लगाने तक सीमित नहीं रहा है। बल्कि यह एक तरह का साइंस बन चुका है। जहां हर इंग्रेडिएंट का अपना खास रोल होता है। साल 2026 में स्किनकेयर ट्रेंड्स तेजी से बदल रहे हैं और अब लोगों का फोकस सिर्फ इंस्टेंट ग्लो पर नहीं, बल्कि लॉन्ग-टर्म स्किन हेल्थ पर भी है। यही वजह है कि विटामिन C से लेकर सैलिसिलिक एसिड जैसे एक्टिव इंग्रेडिएंट्स चर्चा में हैं। हर इंग्रेडिएंट्स का अपना अलग रोल है, जो चेहरे को चमकाने में और उसे हेल्दी बनाने में अहम भूमिका निभाता है।

वहीं सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर और ब्यूटी एक्सपर्ट भी इन इंग्रेडिएंट्स के फायदे बताते नजर आते हैं। यूजर्स भी पहले से ज्यादा जागरूक हो गए हैं और वे यह समझना चाहते हैं कि उनके स्किन टाइप के लिए कौन सा इंग्रेडिएंट सही है और कौन सा नहीं। 2025- 2026 के स्किन केयर ट्रेंड में खास बात यह है कि अब लोग हार्श और ज्यादा स्ट्रॉन्ग प्रोडक्ट्स की जगह जेंटल, स्किन फ्रेंडली और बेरियर रिपेयर करने वाले इंग्रेडिएंट्स ज्यादा पसंद किए जा रहे हैं। चलिए आपको भी बताते हैं ऐसे ही टॉप ट्रेंडिंग स्किन केयर इंग्रेडिएंट और उनके फायदे के बारे में।

विटामिन C

विटामिन C आज भी सबसे ज्यादा ट्रेंडिंग इंग्रेडिएंट्स में शामिल है। खासकर ग्लो और व्हाइटनिंग के लिए। यह स्किन में कोलेजन प्रोडक्शन बढ़ाता है, जिससे चेहरे पर कसाव आता है और फाइन लाइन्स कम होती हैं। साथ ही यह डार्क स्पॉट्स और पिगमेंटेशन को हल्का करता है और सन डैमेज से भी बचाने में मदद करता है, जिससे स्किन ज्यादा हेल्दी और चमकदार दिखती है।

सैलिसिलिक एसिड

यह खासतौर पर ऑयली और एक्ने-प्रोन स्किन के लिए बहुत फायदेमंद माना जाता है। सैलिसिलिक एसिड पोर्स के अंदर जाकर एक्स्ट्रा तेल और गंदगी को साफ करता है, जिससे पिंपल्स और ब्लैकहेड्स कम होते हैं। यह स्किन को हल्के तरीके से एक्सफोलिएट भी करता है, जिससे स्किन साफ और स्मूद बनती है।

नियासिनामाइड

नियासिनामाइड एक मल्टी-टास्किंग इंग्रेडिएंट है जो लगभग हर स्किन टाइप के लिए सूट करता है। यह ऑयल कंट्रोल करता है, पोर्स को कम दिखाता है और स्किन टोन को बराबर करने में मदद करता है। इसके अलावा यह स्किन बैरियर को मजबूत बनाता है और रेडनेस व दाग-धब्बों को कम करता है।

हायल्यूरोनिक एसिड

ड्राई और डिहाइड्रेटेड स्किन के लिए यह एक बेहतरीन इंग्रेडिएंट है। यह स्किन में नमी को लॉक करता है और उसे लंबे समय तक हाइड्रेटेड रखता है। इससे स्किन क्लीन और सॉफ्ट दिखाई देती है और फाइन लाइन्स भी कम नजर आती हैं। यह हर मौसम में स्किन को फ्रेश और हेल्दी बनाए रखने में मदद करता है।

सेरामाइड्स

सेरामाइड्स स्किन के नेचुरल बैरियर को मजबूत करने का काम करते हैं। ये स्किन को बाहरी नुकसान, प्रदूषण और ड्राईनेस से बचाते हैं। अगर आपकी स्किन संवेदनशील या जल्दी ड्राई हो जाती है, तो सेरामाइड्स उसे रिपेयर करके मजबूत बनाते हैं और लंबे समय तक मॉइस्चर बनाए रखने के लिए भी काफी असरदार है।

गट हेल्थ से जुड़ी वो 7 गलतियां जो अमूमन लोग हैं करते

गट हेल्थ को मजबूत बनाने के लिए लोग कई आदतों को अपनाते हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि रोजमर्रा की जिंदगी में लोग कुछ ऐसी आम गलतियां करते हैं तो गट हेल्थ को खराब कर सकती हैं। इस आर्टिकल में उन्हीं 7 गलतियों के बारे में बताने जा रहे हैं।

आजकल फिटनेस और हेल्दी लाइफस्टाइल की बात होती है, तो 'गट हेल्थ' यानी पेट की सेहत का जिक्र जरूर आता है.क्योंकि हमारा डाइजेशन सिस्टम सिर्फ खाना पचाने तक सीमित नहीं होता है बल्कि इम्यूनिटी, मूड और ओवरऑल हेल्थ पर गहरा असर डालता है. गट हेल्थ अगर अच्छी न हो तो कई तरह की दिक्कतें हो सकती हैं. भले ही लोग आजकल गट हेल्थ को मजबूत बनाने के लिए कई आदतों को अपना रहे हैं. लेकिन फिर भी पेट से जुड़ी कुछ ऐसी समस्याएं हैं जिन्हें नजरअंदाज कर देते हैं. ये ऐसी आम गलतियां हैं, जो गैस, ब्लोटिंग, कब्ज जैसी पैदा करती हैं.

ऐसे में यह जानना बेहद जरूरी हो जाता है कि आखिर वो कौन-सी 5 आम गलतियां हैं, जिन्हें हम रोज करते हैं और जो हमारी गट हेल्थ को नुकसान पहुंचा रही हैं. चलिए इस आर्टिकल में हेल्थ एक्सपर्ट से जानते हैं उन्हीं गलतियों के बारे में. साथ ही इन्हें कैसे सुधारा जा सकता है. ताकि गट हेल्थ मजबूत रहे.

एक्सपर्ट ने बताई गट हेल्थ से जुड़ी गलतियां

1. हर समस्या में प्रोबायोटिक लेना

प्रोबायोटिक्स को गट हेल्थ के लिए अच्छा माना जाता है. ऐसे में लोग अपनी डाइट में प्रोबायोटिक्स वाली चीजें शामिल करते हैं. जैसे दही इसका अच्छा ऑप्शन है. लेकिन ये हर परेशानी का हल नहीं हैं. ज्यादातर प्रोबायोटिक्स लंबे समय तक शरीर में टिकते नहीं हैं. खासतौर पर अगर बाजार वाले प्रोडक्ट्स ले रहे हैं तो.

2. सिर्फ प्यास लगने पर पानी पीना

पानी हमारे शरीर के लिए बेहद जरूरी होता है. लेकिन आमतौर पर लोग सिर्फ प्यास लगने पर ही पानी पीते हैं, जो कि सही आदत नहीं है. प्यास लगना शरीर में पानी की कमी का देर से मिलने वाला संकेत है. हल्की डिहाइड्रेशन भी कब्ज जैसी समस्याओं को बढ़ा सकती है. इसलिे प्यास न लगने पर भी दिनभर थोड़ा-थोड़ा पानी पीते रहना जरूरी है.

3. हर 'हेल्दी' चीज सभी के लिए सही नहीं होती

हर हेल्दी चीज हर किसी के लिए फायदेमंद साबित हो ये जरूरी नहीं होता है. कच्ची सब्जियां, प्याज और कुछ खास सब्जियां (जैसे पत्ता गोभी, ब्रोकली) में ऐसे कार्बोहाइड्रेट होते हैं जो हर किसी के पेट को सूट नहीं करते. खासकर IBS (इरिटेबल बाउल सिंड्रोम) वाले लोगों को ये दिक्कत दे सकते हैं, इसलिए अपनी बॉडी के अनुसार डाइट चुनना जरूरी है.

4. डाइट पर ध्यान, लेकिन स्ट्रेस को नजरअंदाज करना

गट हेल्थ को सही रखने के लिए सिर्फ हेल्दी डाइट ही नहीं बल्कि स्ट्रेस से दूर रहना भी जरूरी होता है. दरअसल, तनाव (स्ट्रेस) सीधे आपके पेट और माइक्रोबायोम को प्रभावित करता है. गट और दिमाग का गहरा कनेक्शन होता है, इसलिए मेंटल हेल्थ का ध्यान रखना भी बेहद जरूरी है.

5. बार-बार कुछ न कुछ खाते रहना

कई लोग मेटाबॉलिज्म तेज करने के लिए थोड़े-थोड़े समय में खाते रहते हैं, लेकिन इससे पेट को आराम नहीं मिल पाता. हमारे पाचन तंत्र को साफ करने वाला प्रोसेस (MMC) तभी एक्टिव होती है जब हम 3 से 4 घंटे का गैप रखते हैं. तो इस आदत को भी आपको बदल देना चाहिए.

6. बहुत तेजी से खाना

पाचन की शुरुआत मुंह से ही होती है, जहां लार खाने को तोड़ना शुरू कर देती है. जल्दी-जल्दी खाने से यह प्रक्रिया अधूरी रह जाती है और पेट में ज्यादा हवा चली जाती है, जिससे ब्लोटिंग और एसिडिटी की समस्या बढ़ती है.

7. सुबह टॉयलेट जाने की इच्छा को नजरअंदाज करना

सुबह के समय शरीर का गैस्ट्रोकोलिक रिफ्लेक्स सबसे ज्यादा एक्टिव होता है, जो मल त्याग में मदद करता है. अगर आप इस समय की प्राकृतिक इच्छा को बार-बार नजरअंदाज करते हैं, तो यह आदत कब्ज जैसी समस्याओं को जन्म दे सकती है.

क्या महिलाओं को जिम में नहीं करनी चाहिए ये एक्सरसाइज?

महिलाओं के लिए जिम जाना या व्यायाम करना एक अच्छा विकल्प हो सकता है, लेकिन कई बार हमें कुछ ऐसी गलत धारणाएं सुनने को मिलती हैं, जो हमारे मन में कई सवाल खड़े कर देती हैं। इस लेख में हम कुछ ऐसी ही गलत धारणाओं को दूर करेंगे, ताकि महिलाएं सही जानकारी के आधार पर अपनी फिटनेस यात्रा शुरू कर सकें।

क्या भारी वजन उठाने से मांसपेशियां बड़ी हो जाती हैं?

एक आम धारणा यह है कि भारी वजन उठाने से महिलाओं की मांसपेशियां बहुत बड़ी हो जाती हैं। यह सच नहीं है। महिलाओं का शरीर पुरुषों की तरह मांसपेशियों को बढ़ाने वाले हार्मोन से संपन्न नहीं होता, जिससे उनकी मांसपेशियां बहुत बड़ी हो सकें। महिलाएं भारी वजन उठाकर अपनी मांसपेशियों को टोन कर सकती हैं, लेकिन वे इतनी आसानी से बड़ी नहीं होंगी। इसलिए महिलाएं बिना किसी डर के भारी वजन उठा सकती हैं।

क्या कार्डियो ही सबसे अच्छा व्यायाम है?

कई लोग मानते हैं कि कार्डियो ही सबसे अच्छा व्यायाम है और इससे ही वजन कम होता है। हालांकि, यह सही है कि कार्डियो वजन घटाने में मदद करता है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि अन्य व्यायाम अहम नहीं होते। वजन उठाना, योगा या पिलाटिस जैसी व्यायाम भी बहुत फायदेमंद होते हैं। इसके अलावा शरीर की एनर्जी को बढ़ाने के लिए कार्डियो के साथ-साथ मांसपेशियों की व्यायाम भी जरूरी है।

क्या महिलाएं स्क्वाट और डेडलिफ्ट जैसी व्यायाम न करें?

बहुत से लोग महिलाओं को स्क्वाट और डेडलिफ्ट जैसी व्यायाम करने से मना करते हैं क्योंकि उन्हें लगता है कि इससे शरीर का आकार बिगड़ जाएगा या मांसपेशियां बहुत बड़ी हो जाएंगी। यह पूरी तरह गलत है। सही तरीके से की गई व्यायाम से न केवल मांसपेशियां मजबूत होती हैं, बल्कि शरीर का संतुलन भी बेहतर होता है। इसके अलावा ये व्यायाम दिल की सेहत के लिए भी बहुत फायदेमंद होती हैं।

क्या स्ट्रेंथ ट्रेनिंग करने पर वजन बढ़ जाता है?

कई लोग मानते हैं कि स्ट्रेंथ ट्रेनिंग करने पर वजन बढ़ जाता है, जबकि असलियत में ऐसा नहीं होता। स्ट्रेंथ ट्रेनिंग से मांसपेशियां मजबूत होती हैं और शरीर का संतुलन बेहतर होता है। इससे वजन कम करने में मदद मिलती है। इसलिए महिलाओं को चाहिए कि वे इन गलत धारणाओं से प्रभावित न हों और सही जानकारी के आधार पर अपनी फिटनेस यात्रा जारी रखें। इससे न केवल उनका स्वास्थ्य बेहतर होगा बल्कि आत्मविश्वास भी बढ़ेगा।

पेटीएम गोल्ड ने 12,000 से ज्यादा पिन कोड्स तक अपनी डिलीवरी सेवा का विस्तार किया, डिजिटल गोल्ड को फिजिकल गोल्ड में बदलना हुआ आसान

पेटीएम (वन 97 कम्युनिकेशंस लिमिटेड) ने शुक्रवार को अपनी पेटीएम गोल्ड सेवा को और आसान बनाते हुए बड़ी घोषणा की। अब कंपनी 12,000 से ज्यादा पिन कोड में फिजिकल गोल्ड की डोरस्टेप डिलीवरी की सुविधा का विस्तार किया है। इससे डिजिटल गोल्ड बैलेंस को 24-कैरेट गोल्ड कॉइन्स में बदलना आसान हो गया है, जिससे पूरे देश में गोल्ड खरीदना और उसे प्राप्त करना और भी सरल हो गया है। पेटीएम भारत की फुल-स्टैक मर्चेंट पेमेंट्स लीडर है और एमएसएमई व बड़े उद्यमों को सेवा देती है, साथ ही एक प्रमुख फाइनेंशियल सर्विसेज डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी और मोबाइल पेमेंट्स, क्यूआर कोड व साउंडट्रेक की अग्रणी कंपनी है।

कंपनी एमएमटीसी-पीएएमपी के साथ साझेदारी में पेटीएम गोल्ड की पेशकश करती है। एमएमटीसी-पीएएमपी, एमएमटीसी लिमिटेड (एक सरकारी उपक्रम) और स्विट्जरलैंड की एमकेएस पीएएमपी एसए का संयुक्त उपक्रम है।

यह सेवा डिजिटल गोल्ड बैलेंस को फिजिकल गोल्ड में बदलने की सुविधा देती है, जिससे गोल्ड की बचत पर ज्यादा लचीलापन और नियंत्रण मिलता है। फिजिकल गोल्ड को रिडीम करते समय मामूली मेकिंग और डिलीवरी शुल्क लागू होते हैं।

पेटीएम ऐप पर, 24-कैरेट डिजिटल गोल्ड को लाइव मार्केट कीमतों के आधार पर, मात्र 51 रुपये से शुरू करके आसानी से खरीदा जा सकता है। इससे गोल्ड जैसी भरोसेमंद संपत्ति में बचत शुरू करना और उसे फिजिकल गोल्ड में बदलकर डोरस्टेप डिलीवरी का विकल्प चुनना आसान हो जाता है। हर खरीदारी के बदले उतनी ही मात्रा में फिजिकल गोल्ड एमएमटीसी-पीएएमपी द्वारा प्रबंधित, उच्च-सुरक्षा वाले, बैंक-ग्रेड वॉल्ट्स में सुरक्षित रखा जाता है। इसके लिए कोई स्टोरेज शुल्क नहीं लगता, जिससे स्वामित्व का अनुभव सुरक्षित और विश्वसनीय बना रहता है। यह डिजिटल गोल्ड बैलेंस को किसी भी समय लाइव मार्केट कीमतों पर बेचने की सुविधा भी देता है, जिससे जरूरत पड़ने पर बाहर निकलने (बेचने) के लिए लिक्विडिटी और लचीलापन सुनिश्चित होता है।

पेटीएम के प्रवक्ता ने कहा, ₹गोल्ड हमेशा से भारतीयों के दिलों के करीब रहा है, खासकर अक्षय तृतीया के दौरान। पेटीएम गोल्ड के साथ, हम डिजिटल गोल्ड को 24-कैरेट फिजिकल गोल्ड में बदलना और उसे पूरे देश में घर तक डिलीवर करवाना आसान बना रहे हैं। यह लोगों को अपनी जरूरतों के हिसाब से गोल्ड में बचत करने की आज़ादी देता है।'

पेटीएम गोल्ड की फ़िज़िकिल डिलीवरी, पेटीएम ऐप के ज़रिए कुछ आसान स्टेप्स में पाई जा सकती है:

पेटीएम ऐप खोलें और पेटीएम गोल्ड सर्च करें

'विदड्रॉ गोल्ड' विकल्प चुनें और 'फिजिकल गोल्ड डिलीवरी' पर जाएं

ग्राम में या वैल्यू के हिसाब से अपनी पसंद की मात्रा चुनें

लगने वाले मेकिंग और डिलीवरी चार्ज देखें

डिलीवरी का पता डालें और कन्फ़र्म करें

रिक्वेस्ट कन्फ़र्म करने और ऑथेंटिकेशन पूरा करने के लिए आगे बढ़ें

फिजिकल गोल्ड कॉइन प्रोसेस किए जाते हैं और सपोर्टेड पिन कोड के अंदर आपके दरवाजे तक पहुंचाए जाते हैं।

पेटीएम 'डेली गोल्ड एसआईपी' की सुविधा भी देता है। इसके जरिए आप रोज थोड़ा-थोड़ा निवेश करके समय के साथ अच्छा खासा डिजिटल गोल्ड जमा कर सकते हैं। यह एक अनुशासित बचत को बढ़ावा देता है, साथ ही समय के साथ गोल्ड होल्डिंग बनाने और जरूरत पड़ने पर उन्हें फिजिकल गोल्ड में बदलने की फ्लेक्सिबिलिटी भी देता है।

मुकेश अंबानी को पछाड़ गौतम अडानी ने फिर किया बड़ा धमाका, बने एशिया के 'किंग'

नई दिल्ली, एजेंसी। अडानी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी ने एक बार फिर व्यापार जगत में अपनी बादशाहत कायम कर ली है। संपत्ति के मामले में उन्होंने न केवल भारत में, बल्कि पूरे एशिया में नंबर वन का ताज अपने नाम कर लिया है। ब्लूमबर्ग बिलिनेयर इंडेक्स के ताजा आंकड़ों के मुताबिक, गौतम अडानी ने रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी को पछाड़ दिया है और एशिया के सबसे अमीर व्यक्ति बन गए हैं। इस छलांग के साथ ही गौतम अडानी की कुल नेटवर्थ बढ़कर 92.6 अरब डॉलर तक पहुंच गई है, जबकि मुकेश अंबानी 90.8 अरब डॉलर की संपत्ति के साथ दूसरे पायदान पर खिसक गए हैं।

शेयर बाजार में दिखा अडानी का जलवा, एक दिन में कमा लिए 3.56 अरब डॉलर

गुरुवार को भारतीय शेयर बाजार में भले ही सुस्ती देखने को मिली और सेंसेक्स 123 अंकों की गिरावट के साथ बंद हुआ, लेकिन अडानी ग्रुप की कंपनियों के शेयरों ने तूफानी प्रदर्शन किया। इसी शानदार तेजी के दम पर गौतम अडानी की नेटवर्थ में महज एक ही दिन के भीतर 3.56 अरब डॉलर का भारी इजाफा हो गया। इसके उलट, रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में खास हलचल नहीं हुई और वे लगभग सपाट बंद हुए। इस वजह से मुकेश अंबानी की संपत्ति में मात्र 76.7 मिलियन डॉलर की ही मामूली बढ़ोतरी दर्ज की जा सकी।

ग्लोबल अमीरों की लिस्ट में भी उलटफेर, टॉप-20 में आगे निकले अडानी

वैश्विक स्तर पर भी गौतम अडानी ने अपनी स्थिति काफी मजबूत कर ली है। ग्लोबल अमीरों की लिस्ट में वे अब दुनिया के 19वें सबसे अमीर व्यक्ति बन गए हैं। साल 2026 उनके लिए अब तक शानदार साबित हुआ है और इस साल उनकी संपत्ति में 8.10 अरब डॉलर की जबरदस्त बढ़ोतरी हो चुकी है। दूसरी तरफ, मुकेश अंबानी के लिए यह साल काफी चुनौतीपूर्ण रहा है। इस साल अब तक उनकी नेटवर्थ में 16.9 अरब डॉलर की बड़ी गिरावट आ चुकी है और वे वैश्विक अमीरों की सूची में खिसक कर 20वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

बर्नार्ड आरनॉल्ट से लेकर बिल गेट्स तक ज इन दिग्गजों ने भी गंवाई दौलत

दिलचस्प बात यह है कि इस साल दुनिया के टॉप-20 अमीरों में से कई बड़े चेहरों की संपत्ति में गिरावट आई है। कुल 7 दिग्गज ऐसे हैं जिन्हें इस साल भारी नुकसान उठाना पड़ा है। इनमें सबसे ज्यादा नुकसान फ्रांसीसी बिजनेसमैन बर्नार्ड आरनॉल्ट को हुआ है, जिनकी दौलत में 44 अरब डॉलर की बड़ी सेंध लगी है। उनके अलावा दुनिया के जाने-माने निवेशक वॉरेन बफे, माइक्रोसॉफ्ट के सह-संस्थापक बिल गेट्स और लैरी एलिसन जैसे दिग्गजों की नेटवर्थ भी साल 2026 में घटी है।

निर्यातकों के लिए व्यापार सुगम बनाने के लिए सरकार ने सुधारों की शुरुआत की

नई दिल्ली, एजेंसी। व्यापार सुगमता और निर्यातकों के लिए व्यापार सुविधा प्रदान करने की सरकार ने एक बार फिर प्रतिबद्धता दिखाई है। इस क्रम में वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय ने विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) के अंतर्गत आने वाली मानक समितियों के कामकाज को सुदृढ़ करने हेतु लक्षित सुधारों की एक श्रृंखला शुरू की है। इसका उद्देश्य अग्रिम प्राधिकरण योजना के तहत प्रक्रिया में लगने वाले समय को कम करना, शीघ्र अनुमोदन सुनिश्चित करना और पारदर्शिता एवं पूर्वानुमानशीलता को बढ़ाना है। यह जानकारी शुक्रवार को जारी एक आधिकारिक बयान में दी गई है। लागू किए गए सुधारों की श्रृंखला में मानदंड समितियों (एनसी) के कामकाज में एकरूपता और निरंतरता सुनिश्चित करने के लिए विस्तृत दिशानिर्देश जारी करना शामिल है। इनमें निश्चित पाक्षिक चक्र पर बैठकों का संस्थागत निर्धारण, लंबे समय से लंबित मामलों को प्राथमिकता देना, समयबद्ध तरीके से बैठक के कार्यवृत्त को अंतिम रूप देना और लंबित मामलों और उनकी अवधि की व्यवस्थित निगरानी करना शामिल है। बयान में कहा गया है कि बार-बार होने वाली स्वीकृतियों को कम करने के लिए, बार-बार आने वाले मामलों की पहचान करके उन्हें मानक इनपुट-आउटपुट मानदंडों (एसआईओएन) में परिवर्तित करने के प्रयास भी किए गए हैं।

संबंधित मंत्रालयों से समितियों में अतिरिक्त तकनीकी अधिकारियों को मनोनीत करने का अनुरोध किया गया है ताकि क्षेत्रीय विशेषज्ञता को बढ़ाया जा सके और सदस्यों के सीमित समूह पर निर्भरता कम की जा सके। इसके अलावा, लंबित आवेदनों के शीघ्र निपटान के लिए एक विशेष अभियान शुरू किया गया है, जिसके तहत बैठकें नियमित समय पर आयोजित की जा रही हैं और पारदर्शिता और निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए मामलों को कालानुक्रमिक क्रम में निपटाया जा रहा है। क्षमता बढ़ाने के उद्देश्य से, विभिन्न मंत्रालयों से दस अतिरिक्त तकनीकी सदस्यों को मनोनीत किया गया है, जिससे तकनीकी प्राधिकारियों की कुल संख्या 12 से बढ़कर 22 हो गई है। इससे समितियों की अधिक संख्या में मामलों को बेहतर दक्षता के साथ संभालने की क्षमता मजबूत हुई है।

सुधारों के परिणामस्वरूप बेहतर परिणाम प्राप्त हुए हैं। जनवरी 2026 से 7 अप्रैल 2026 के बीच, मानक समितियों की कुल 38 बैठकें आयोजित की गईं, जिनमें 3,925 मामलों पर विचार किया गया और 1,770 मामलों का निपटारा किया गया, बयान में कहा गया है। ये उपाय सरकार के सुगम और पूर्वानुमानित व्यापार वातावरण बनाने के एजेंडे के अनुरूप हैं, विशेष रूप से लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) के लिए। मानक निर्धारण की सुव्यवस्थित प्रक्रिया से लेनदेन लागत में कमी, प्राधिकरण की समय सीमा में कमी और भारत की निर्यात प्रतिस्पर्धात्मकता में वृद्धि होने की उम्मीद है।

न खामेनेई, न ईरान के राष्ट्रपतिइस शख्स के पास आई तेहरान की असली ताकत, कौन हैं अहमद वाहिदी?

वॉशिंगटन, एजेंसी। सुप्रीम लीडर मुज्तबा खामेनेई के अंडरग्राउंड रहने के कारण ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (IRGC) ने तेहरान की सत्ता को पूरी तरह से कंट्रोल में ले लिया है। तेहरान के 3 बड़े फैसले इसकी पुष्टि भी हुई है। इसी बीच अमेरिकी मीडिया आउटलेट न्यूयॉर्क पोस्ट ने जानकारों के हवाले से दावा किया है कि आईआरजीसी के चीफ कमांडर अहमद वाहिदी इस वक्त ईरान के असली शासक हैं।

पोस्ट के मुताबिक सभी बड़े फैसले वाहिदी के कहने पर ही लिए जा रहे हैं। जंग से पहले वाहिदी आईआरजीसी में नंबर-2 पद पर तैनात थे। मोहम्मद पाकपूर की हत्या के बाद उन्हें आईआरजीसी की कमान मिली थी।

1- ISW ने पाकिस्तान में हुए पहले दौर की बैठक को लेकर एक रिपोर्ट की है। इसमें कहा गया है कि वाहिदी के कहने पर आखिरी वक्त में वार्ता के लिए ईरानी प्रतिनिधिमंडल की सूची में बदलाव किया गया था। प्रतिनिधिमंडल में बाघेर कानी को शामिल किया गया था, जो ईरान के नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल के डिप्टी सेक्रेटरी हैं। प्रतिनिधिमंडल में अब्बास अराघची के अलावा एक भी उदार वादी नहीं थे।

2- 17 अप्रैल को अराघची ने पाकिस्तान और अमेरिका के वार्ता दलों से मुलाकात के बाद सार्वजनिक तौर पर होर्मुज को खोलने का ऐलान किया था, लेकिन इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड ने इस फैसले को मानने से इनकार कर दिया। इतना ही नहीं IRGC से संबंधित तस्नीम न्यूज ने अराघची को भला-बुरा सुना दिया। इसके बाद होर्मुज खोलने का फैसला अधर में लटक गया।

3- इस्लामाबाद में दूसरे दौर की बातचीत प्रस्तावित है, लेकिन अभी तक ईरान की तरफ से डेलिगेशन का नाम फाइनल नहीं हुआ है। इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड ने अपने एक जहाज पर हमले का बदला लेने की घोषणा की है। आईआरजीसी का कहना है कि अमेरिका ने सीजफायर तोड़ा है। हम उसे सबक सिखा कर मानेंगे।

सवाल- कौन हैं अहमद वाहिदी?

अहमद वाहिदी वर्तमान में ईरान की सबसे शक्तिशाली आईआरजीसी के प्रमुख हैं। उनका असली नाम वहीद शाहचेराघी (Vahid Shahcheraghi) है। वाहिदी का जन्म साल 1958 में हुआ था। ईरान में शाह पहेलवी के खिलाफ हुए आंदोलन में वाहिदी भी शामिल थे। 1979 में जब इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड की स्थापना हुई तो वाहिदी इसमें शामिल हो गए।

वाहिदी को ईरान रिवोल्यूशनरी गार्ड के पूर्व प्रमुख कासिम सुलेमानी का करीबी माना जाता था। टॉप कमांडरों की हत्या की वजह से वाहिदी को आईरजीसी चीफ की कुर्सी मिली है।

न्यूयॉर्क पोस्ट के मुताबिक वाहिदी ने ईरान नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल के चीफ मोहम्मद बाघेर जोलघाद्र के साथ गठबंधन कर लिया है, जिससे वहां की चुनी हुई सरकार और उदारवादी नेता पूरी तरह साइडलाइन हो गए हैं। अब ईरान को लेकर किसी भी बड़े फैसले में चुनी हुई सरकार की नहीं सुनी जा रही है।

होर्मुज स्ट्रेट में 50 दिनों का रिकॉर्ड टूटा, शनिवार को हुई 20 से ज्यादा जहाजों की आवाजाही

वॉशिंगटन, एजेंसी। होर्मुज स्ट्रेट में शनिवार को 20 से ज्यादा जहाजों ने सुरक्षित रूप से आवाजाही की। यह 1 मार्च के बाद स्ट्रेट पार करने वाले जहाजों की सबसे ज्यादा संख्या है। शिपिंग एनालिटिक्स फर्म Kpler के डेटा के मुताबिक, इन जहाजों में तेल, गैस और अन्य सामान ले जाने वाले कई बड़े मालवाहक शामिल थे। यह रास्ता दुनिया के लिए बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि यहां से बड़ी मात्रा में तेल और गैस का ट्रांसपोर्ट होता है।

इन जहाजों में से 5 जहाज ऐसे थे, जिन्होंने ईरान से जुड़े माल को लोड किया था। इनमें तेल और धातु शामिल हैं। तीन जहाज LPG (तरल पेट्रोलियम गैस) लेकर जा रहे थे। इनमें से एक जहाज भारत और एक चीन की ओर जा रहा था। इसके अलावा एक और भारतीय जहाज Desh Garima यूएई के दास क्रूड तेल के करीब 7।8 लाख बैरल लेकर श्रीलंका जा रहा है। ईरान ने शुक्रवार को होर्मुज खोलने का ऐलान किया था, लेकिन 24 घंटे के भीतर ही इसे फिर से बंद कर दिया।

और किन देशों के जहाज होर्मुज से गुजरे?

पनामा के झंडे वाला जहाज Crave यूएई से LPG लेकर इंडोनेशिया जा रहा है। Akti A और Athina नाम के दो जहाज बहरीन से रिफाइंड तेल उत्पाद लेकर मोजाम्बिक और थाईलैंड की ओर बढ़ रहे हैं। लाइबेरिया का जहाज Navig8 Macallister UAE का लगभग 5 लाख बैरल नेफ्था लेकर दक्षिण कोरिया के उल्सान बंदरगाह जा रहा है। एक बड़ा तेल टैंकर Fpmc C Lord सऊदी अरब का करीब 20 लाख बैरल कच्चा तेल लेकर ताइवान जा रहा है। Ruby जहाज कतर से खाद लेकर UAE की ओर बढ़ रहा है। Merry M नाम का जहाज सऊदी अरब से पेट्रोलियम कोक लेकर इटली जा रहा है।

US ने 25 ईरानी जहाजों को रोका

इसी बीच अमेरिका और ईरान के बीच तनाव भी बढ़ गया है। अमेरिका का कहना है कि उसने रविवार तक करीब 25 ईरानी जहाजों को रोका या वापस भेजा, क्योंकि वे उसकी नाकेबंदी का उल्लंघन कर रहे थे। इसके जवाब में ईरान ने कहा कि उसने अमेरिकी जहाजों पर ड्रोन से हमला किया है। यह हमला समुद्र में हुई झड़प के बाद किया गया बताया जा रहा है। हालांकि इस हमले से किसी नुकसान की पूरी जानकारी सामने नहीं आई है।

इसी दौरान अमेरिका ने रविवार को ईरान का बड़ा जहाज टुस्काभी पकड़ लिया। अमेरिकी सेना के मुताबिक, जहाज को 6 घंटे तक चेतावनी दी गई थी, लेकिन वह नहीं रुका। इसके बाद उस पर फायरिंग कर उसे रोका गया और अमेरिकी सेना ने उसे अपने कब्जे में ले लिया। यह जहाज ईरान के बंदर अब्बास जा रहा था। अमेरिका ने इसे नाकेबंदी का उल्लंघन बताया है, जबकि ईरान ने इस कार्रवाई को गलत बताते हुए इसे समुद्री डकैती कहा है और जवाब देने की बात कही है।

सभ्यता और बर्बरता के बीच लड़ाई लड़ रहा इजराइल... ईरान के साथ जंग पर बोले नेतन्याहू

तेल अवीव, एजेंसी। ईरान के साथ शांति वार्ता के बीच इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू का बयान सामने आया है। उनका कहना है कि उनका देश अमेरिका के साथ मिलकर सभ्यता बनाम बर्बरता की लड़ाई लड़ रहे हैं। उनका यह बयान ऐसे समय आया है जब मध्य पूर्व में तनाव लगातार बढ़ रहा है और लेबनान एवं गाज़ा में सैन्य गतिविधियां जारी हैं।

अर्जेंटीना के राष्ट्रपति जेवियर मिलेई की यात्रा के दौरान एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए नेतन्याहू ने ईरान को दुनिया को आतंकित करने वाली ताकत बताया। उन्होंने कहा 'इजराइल ईरान के अत्याचार के खिलाफ लड़ाई में संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ लगा हुआ है, जो दुनिया को आतंकित करता है, जो हमारा विनाश चाहता है और संयुक्त

राज्य अमेरिका को गिराना चाहता है, जो पश्चिमी सभ्यता को नष्ट करना चाहता है जैसा कि हम जानते हैं'। इसके साथ ही नेतन्याहू ने यह भी कहा कि इस संघर्ष में इजरायल और अमेरिका ने काफी बड़ी उपलब्धियां हासिल की हैं, लेकिन यह लड़ाई अभी खत्म नहीं हुई है और किसी भी समय नए घटनाक्रम सामने आ सकते हैं।

'येलो लाइन पार करने वाले शख्स को मार गिराया'

इधर इजराइली सेना ने दावा किया कि उसने दक्षिणी लेबनान में येलो लाइन पार करने वाले एक हथियारबंद शख्स को मार गिराया। हालांकि जज़ीरा की रिपोर्ट के अनुसार सेना ने इस दावे के समर्थन में कोई सबूत नहीं दिया। यह क्षेत्र इजराइल द्वारा अपने चल रहे सैन्य अभियानों के तहत स्थापित किया गया है। येलो लाइन दक्षिणी लेबनान में सीमा से लगभग 10 किलोमीटर उत्तर की ओर फैला एक सैन्य क्षेत्र है। अल जज़ीरा के मुताबिक इजराइली अधिकारियों ने संकेत दिया है कि वो इस क्षेत्र पर नियंत्रण बनाए रखने का इरादा रखते हैं, साथ ही हिज़्बुल्लाह की उपस्थिति को समाप्त करने के प्रयासों का हवाला देते हुए वहां हमले करने का अधिकार भी सुरक्षित रखते हैं। इस सीमांकन की तुलना गाजा से की जा रही है, जहां इजराइली सेना ने फिलिस्तीनी क्षेत्र को कई क्षेत्रों में विभाजित किया है, जिसमें एक पूर्वी भाग भी शामिल है जो इजराइली सैन्य नियंत्रण के तहत एन्क्लेव के लगभग 60 प्रतिशत हिस्से को कवर करता है।

दक्षिणी लेबनान में निगरानी चौकी स्थापित

इस बीच लेबनानी सेना ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर करते हुए कहा कि एक विशेष इकाई ने दक्षिणी लेबनान के टायर में एक सड़क पर इजराइली सेना द्वारा लगाई गई मिट्टी की बाधा को हटाना शुरू कर दिया है। इलाके में एक निगरानी चौकी भी स्थापित की गई है। लेबनान की सेना ने कहा, 'तायर फाल्सियेह-टायर पुल के पुनर्निर्माण कार्यों को जारी रखते हुए, वाहनों को पार करने में सक्षम बनाने के लिए एक सीमेंट फेरी स्थापित करने का काम शुरू किया गया है'।

दक्षिणी लेबनान में इजराइली हमलों से मची तबाही

इजराइली सेना ने दक्षिणी लेबनान में बुनियादी ढांचे का बड़े पैमाने पर विनाश किया था, जिसे क्षेत्र को देश के बाकी हिस्सों से अलग-थलग करने के प्रयास के रूप में वर्णित किया गया है। अल जज़ीरा की रिपोर्ट के अनुसार, शुक्रवार को लागू हुए युद्धविराम के बाद लेबनानी अधिकारी महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे को बहाल करने के लिए काम कर रहे हैं क्योंकि लाखों विस्थापित निवासी अपने घरों में वापस लौटने लगे हैं।

गाजा में इजराइली हमले में एक बच्ची की मौत

इधर गाजा में इजराइली हमले में एक बच्ची की मौत हो गई, जबकि पूरे क्षेत्र में हमले जारी हैं। फिलिस्तीनी समाचार एजेंसी वफ़ा ने बताया कि हाला सलेम दरविश की मौत अल-मघाज़ी शरणार्थी शिविर के पूर्व में हुई। इससे पहले, अल-जज़ीरा की एक रिपोर्ट के अनुसार, अल-अवदा अस्पताल ने बताया कि नुसेरात शिविर के उत्तर-पूर्व में सलाह अल-दीन स्ट्रीट पर एक इजराइयली ड्रोन हमले में एक मोटरसाइकिल को निशाना बनाया गया, जिसमें 38 साल के अयमान खालिद अबू हसना की मौत हो गई और कई अन्य लोग घायल हो गए। मध्य पूर्व में मौजूदा हालात बेहद तनावपूर्ण बने हुए हैं। एक ओर इजराइल ईरान और उसके सहयोगियों के खिलाफ सख्त रुख अपनाए हुए है, वहीं दूसरी ओर लेबनान और गाज़ा में लगातार हो रही सैन्य कार्रवाइयों से क्षेत्र में शांति की संभावनाएं कमजोर पड़ती नजर आ रही हैं। आने वाले दिनों में इस संघर्ष का असर और भी भयानक हो सकता है।

'छोटी मछली गिरफ्तार, शार्क अभी भी आजाद'

DGCA अधिकारी की गिरफ्तारी पर रोहित पवार ने उठाया सवाल

मुंबई, एजेंसी। शरद पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के विधायक रोहित पवार ने अजित पवार प्लेन क्रैश मामले में सीबीआई द्वारा की गई गिरफ्तारी पर सवाल उठाया है। रोहित पवार ने सोमवार को दावा किया कि सीबीआई द्वारा नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) के एयरवर्थनेस विभाग के उप निदेशक की गिरफ्तारी और एफआईआर दर्ज होने से कई भ्रष्ट अधिकारियों की मौजूदगी का खुलासा हुआ है। गिरफ्तार किया गया व्यक्ति तो बस एक 'छोटी मछली' है, इस संगठन में इससे भी कहीं बड़ी 'मछलियां' मौजूद हैं।

रोहित पवार ने एक्स पोस्ट में कहा, 'सीबीआई ने डीजीसीए के एयरवर्थनेस डिपार्टमेंट के डिप्टी डायरेक्टर को गिरफ्तार कर लिया है और एफआईआर भी दर्ज की गई है। हम बार-बार यह बात उठाते रहे हैं कि डीजीसीए में कई भ्रष्ट अधिकारी मौजूद हैं, और इस घटना ने हमारी बात को सच साबित कर दिया है। जिस व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है, वह तो बस एक 'छोटी मछली' है। इस संगठन में तो इससे भी कहीं ज्यादा बड़ी मछलियां मौजूद हैं।'

वीके सिंह पर सबूत मिटाने का लगाया आरोप

उन्होंने आगे कहा एक तरफ, दादा की दुर्घटना की जांच सीबीआई को सौंपने की गुजारिश किए हुए दो महीने बीत चुके हैं, लेकिन सीबीआई ने अभी तक इस मामले को अपने हाथ में नहीं लिया है। वहीं दूसरी तरफ सीबीआई ने इस मामले में अपनी तरफ से कार्रवाई कर रही है, जो कि काफी अहम बात है। हो सकता है कि यह टीडीपी सरकार के लिए कोई परोक्ष संदेश या चेतावनी रही हो। शायद यही वजह है कि टीडीपी ने क्षेत्रीय भावनाओं को दरकिनार करते हुए परिसीमन के मुद्दे पर केंद्र सरकार के आदेशों का पूरी सख्ती से पालन किया है।'

विमान हादसे में किसी साजिश का हाथ- रोहित पवार

रोहित पवार ने साफ तौर पर कहा है कि उन्हें शक है कि इस विमान दुर्घटना में किसी साजिश का हाथ हो सकता है। उनके आरोप चार्टर ऑपरेटर वीएसआर वेंचर्स और डीजीसीए के अधिकारियों के बीच भ्रष्टाचार के एक परेशान करने वाले जाल पर केंद्रित हैं। उन्होंने अपने उस आरोप को दोहराया है कि रेगुलेटरी जरूरतों को पूरा करने के लिए पायलट के उड़ान घंटों की जानकारी में हेरफेर किया गया था। उन्होंने यह भी दावा किया कि सुरक्षा में हुई चूकों का खुलासा होने से बचने के लिए, कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डर (सीवीआर) के साथ जान-बूझकर छेड़छाड़ की गई या फिर गुपचुप तरीके से पैसे देकर उन्हें बंद करवा दिया गया।

लियरजेट 45 विमान को लेकर भी उठाए सवाल

रोहित पवार ने यह सवाल उठाया है कि लियरजेट 45 विमान को उड़ान भरने की अनुमति कैसे दे दी गई जबकि इससे पहले भी उसमें तकनीकी खराबी की रिपोर्टें आई थीं और विमान का संचालन करने वाली कंपनी के मैनेजमेंट में वित्तीय अनियमितताओं के आरोप भी लगे थे। उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और नागरिक उड्डयन मंत्री के. राममोहन नायडू को पत्र लिखकर इस मामले की एक विस्तृत और पारदर्शी जांच की मांग की है।

'असली मुद्दा महिला आरक्षण नहीं परिसीमन था' : जयराम रमेश ने सरकार की नीयत पर उठाए सवाल, कहा– सरकार पर भरोसा नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने संसद के तीन दिवसीय विशेष सत्र को लोकतंत्र, संविधान और संघीय ढांचे की जीत बताया। उन्होंने कहा कि इस सत्र में बुलडोजर राजनीति और परिसीमन की राजनीति को हार का सामना करना पड़ा। जयराम रमेश ने आरोप लगाया कि असली मुद्दा महिला आरक्षण नहीं, बल्कि परिसीमन था।

उन्होंने कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम 22 सितंबर 2023 को सर्वसम्मति से पारित हुआ था, लेकिन इसे लागू नहीं किया गया। अब 16 अप्रैल की रात अचानक इसे अधिसूचित किया गया। उन्होंने सवाल किया कि सरकार को इतनी जल्दबाजी क्यों थी और इसके पीछे क्या मंशा है।

सरकार की नीयत पर उठाए सवाल

जयराम रमेश ने कहा कि लोकसभा की मौजूदा सदस्य संख्या 543 है, लेकिन संवैधानिक विधेयक में यह स्पष्ट नहीं किया गया कि राज्यों की हिस्सेदारी अनुपातिक रूप से बढ़ाई जाएगी। उन्होंने कहा कि गृह मंत्री ने सदन में यह बात कही, लेकिन बिल में इसका कोई उल्लेख नहीं है। ऐसे में सरकार की नीयत पर भरोसा करना मुश्किल है।

जातिगत जनगणना को लेकर कंद्र पर उठाए सवाल

कांग्रेस नेता ने जातिगत जनगणना को लेकर भी केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि सरकार यह स्पष्ट नहीं कर रही कि जाति जनगणना कैसे कराई जाएगी। साथ ही उन्होंने आरोप लगाया कि असम और जम्मू-कश्मीर में जिस तरह परिसीमन किया गया, वह चिंताजनक है और भरोसा नहीं जगाता। उन्होंने पूछा कि सरकार जाति जनगणना से आखिर क्यों भाग रही है।

महिलाएं मूर्ख नहीं है

रमेश ने महिला आरक्षण विधेयक को लेकर प्रधानमंत्री के बयान पर पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि महिलाएं मूर्ख नहीं हैं, वे सब कुछ समझती हैं। उन्होंने कहा कि आज पंचायतों और नगर निगमों में 15 लाख महिला प्रतिनिधि हैं और यह भाजपा की वजह से नहीं, बल्कि कांग्रेस की नीतियों का परिणाम है।

रमेश ने क्या मांग की?

उन्होंने कहा कि कांग्रेस लंबे समय से महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी बढ़ाने के पक्ष में रही है। उन्होंने केंद्र सरकार से मांग की कि वर्ष 2029 से महिलाओं के लिए आरक्षण लागू किया जाए और इसमें ओबीसी व आदिवासी महिलाओं को भी शामिल किया जाए। कांग्रेस नेता ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि महिला आरक्षण का मुद्दा महिलाओं के अधिकारों से ज्यादा भाजपा के सत्ता में बने रहने और राजनीतिक संरक्षण का विषय बन गया है।

यामी गौतम से तुलना पर मेधा शंकर बोलीं-फर्क नहीं पड़ता, मैं बस उनकी फैन हूं

अभिनेत्री मेधा शंकर इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'गिन्नी वेड्स सनी 2' को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म में लीड रोल निभाने के कारण उनकी तुलना पहली फिल्म की हीरोइन यामी गौतम से हो रही है, लेकिन मेधा ने इन तुलनाओं पर साफ कहा है कि उन्हें इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। मेधा शंकर ने बताया, ऐसा कुछ भी नहीं है।

मैं यामी गौतम और आदित्य धर दोनों को बहुत पसंद करती हूं। उन्हें अच्छी तरह पता है कि मैं उनकी कितनी बड़ी फैन हूं। यामी हमेशा से ही एक बेहतरीन अभिनेत्री रही हैं। कभी-कभी सम्मान मिलने में थोड़ा समय लग जाता है लेकिन उनका समय जरूर आएगा। मेधा ने आगे जोड़ा, यह तुलना की बात नहीं है। मैं उन सभी लोगों से प्रेरित होती हूं जिन्होंने मुझसे पहले, बाद या साथ में बेहतरीन काम किया है।

मैंने कभी किसी से अपनी तुलना नहीं की और अगर कोई दूसरा करता भी है तो मुझे उससे कोई फर्क नहीं पड़ता। मेकर्स ने फिल्म का नया गाना तुमपे ही प्यार आ गया हाल ही में जारी किया है। इस गाने का संगीत सुशांत-शंकर की जोड़ी ने मिलकर तैयार किया जबकि इसके बोल कुमार ने लिखे हैं। गाने को लेकर मेधा शंकर ने भी खुशी जाहिर की।

उन्होंने कहा, जब मैंने पहली बार यह गाना सुना, तो मैं लिरिक्स में कहीं खो सी गई थी। यह सिर्फ एक गाना नहीं बल्कि प्यार के अलग-अलग रंगों को दिखाने वाला एक अनुभव है। 'गिन्नी वेड्स सनी' का पहला भाग साल 2020 में रिलीज हुआ था। इस हल्की-फुल्की रोमांटिक कॉमेडी में यामी गौतम और विक्रांत मैसी मुख्य भूमिका में थे। फिल्म को ओटीटी प्लेटफॉर्म पर दर्शकों का भरपूर प्यार मिला था।

अब इसके सीक्वल 'गिन्नी वेड्स सनी 2' में नई जोड़ी नजर आएगी। फिल्म में मेधा शंकर के साथ अविनाश तिवारी लीड रोल में हैं। यह फिल्म 24 अप्रैल को रिलीज होने वाली है। 'गिन्नी वेड्स सनी 2' में मेधा शंकर पहली बार रोमांटिक कॉमेडी जॉनर में लीड रोल निभा रही हैं। दर्शक इस नई जोड़ी को लेकर काफी उत्सुक हैं।

भूत बंगला बॉक्स ऑफिस : पेड प्रीव्यू में छाई अक्षय कुमार की फिल्म, की इतनी कमाई, ओपनिंग डे पर होगा इतना कलेक्शन

बॉलीवुड के खिलाड़ी अक्षय कुमार ने साल 2026 में फिल्म भूत बंगला से खाता खोल लिया है। उनकी हॉरर कॉमेडी फिल्म भूत बंगला थिएटर्स में चल पड़ी है। बीती 16 अप्रैल को फिल्म का पेड प्रीव्यू हुआ था। अक्षय कुमार और प्रियदर्शन की जोड़ी पूरे 14 साल बाद लौटी है। फिल्म भूल भुलैया के बाद इस जोड़ी को भूत बंगला में देखा जा रहा है। प्रियदर्शन फिल्म के डायरेक्टर हैं और अक्षय कुमार से उनका पुराना नाता है। अब भूत बंगला ने एडवांस बुकिंग में मोटी कमाई करने के बाद अपने पेड प्रीव्यू कितना कलेक्शन किया है, चलिए जानते हैं। पेड प्रीव्यू की कमाई बता रही है कि फिल्म ओपनिंग डे पर शानदार कलेक्शन कर सकती है।

सैकनिल्क के अनुसार, फिल्म भूत बंगला ने 3.50 से 3.75 करोड़ रुपये पेड प्रीव्यू से बटोरे हैं। फिल्म यह नेट कलेक्शन डोमेस्टिक बॉक्स ऑफिस पर किया है। अब पेड प्रीव्यू कलेक्शन आने के बाद फिल्म से बड़ी ओपनिंग की उम्मीद लगाई जा रही है। फिल्म को सोशल मीडिया पर शानदार रिस्पॉन्स और रिव्यू मिल रहा है। फिल्म एनालिस्ट भी कॉमेडी की इस क्लासिक जोड़ी की फिल्म को मजेदार बता रहे हैं। एनालिस्ट का कहना है कि नॉन-हॉलीडे वीक में रिलीज होने के बाद भी फिल्म अच्छा कलेक्शन करने जा रही है। रिपोर्ट्स की मानें तो अक्षय कुमार भूत बंगला से 15 करोड़ रुपये की ओपनिंग करने वाले हैं। बता दें, अक्षय कुमार की पिछली फिल्म जॉली एलएलबी 3 (2025) ने 12.50 करोड़ रुपये की ओपनिंग ली थी।

इधर, बॉक्स ऑफिस पर अभी भी करोड़ों में कमा रही रणवीर सिंह की धुरंधर 2 ने चार हफ्ते पूरे कर लिए हैं और धुरंधर 2 के क्रेज के बीच भी भूत बंगला शानदार कमाई करती दिख रही है। धुरंधर 2 ने डोमेस्टिक बॉक्स ऑफिस पर 1100 करोड़ रुपये का नेट कलेक्शन कर लिया है। वहीं,फिल्म का वर्ल्डवाइड ग्रॉस टोटल 1738 करोड़ रुपये हो गया है। बता दें, धुरंधर 2 के क्रेज से भूत बंगला पर कोई असर नहीं दिख रहा है। फिल्म की कास्ट की बात करें तो इसमें अक्षय कुमार, वामिका गब्बी, परेश रावल, राजपाल यादव, मिथिला पालकर और राजेश शर्मा अहम रोल में हैं।

फिल्म लव एंड वॉर की रिलीज तारीख तय, संजय लीला भंसाली ने किया ऐलान

इस साल की अब तक की सबसे बड़ी घोषणा हो चुकी है। संजय लीला भंसाली निर्देशित और रणबीर कपूर, विक्की कौशल, आलिया भट्ट स्टारर मोस्ट अवेटेड फिल्म लव एंड वॉर की रिलीज डेट सामने आ चुकी है। भंसाली प्रोडक्शन ने फिल्म की रिलीज डेट का खुलासा कर दिया है। फिल्म एक खास मौके पर रिलीज होगी और अब इन तीनों स्टार के फैंस के बीच भी खुशी का माहौल पैदा होने वाला है।

हाल के दशकों की सबसे बहुप्रतीक्षित रोमांटिक ड्रामा फिल्मों में से एक मानी जा रही इस फिल्म में रणबीर कपूर, विक्की कौशल और आलिया भट्ट की शानदार ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री देखने को मिलेगी, जो एक हाई-स्टेक ड्रामा पेश करेगी। बता दें, रिपब्लिक डे सेलिब्रेशन वीकेंड पर छाने के लिए तैयार है, जो गुरुवार, 21 जनवरी 2027 को दुनियाभर में रिलीज होगी।

भव्य स्तर पर बनी लव एंड वॉर, संजय लीला भंसाली की अब तक की सबसे महत्वाकांक्षी रोमांटिक ड्रामा फिल्म बनने जा रही है। अपनी भव्य कहानी और इमोशनल गहराई के साथ, यह फिल्म भारत की सबसे बड़ी लव सागा और इंडियन सिनेमा की सबसे शानदार रोमांटिक फिल्मों में से एक बनकर उभर रही है।

संघर्ष और गहरे जज्बातों की पृष्ठभूमि में सेट यह फिल्म प्यार, दोस्ती, धोखा और जुनून जैसे पहलुओं को दिखाती है, जो एक दमदार और इमर्सिव सिनेमाई अनुभव देने का वादा करती है।

भंसाली की फिल्मों की वही खास पहचान, यानी ऐसी कहानी जो आपको अपनी दुनिया में डुबो दे और लाजवाब विजुअल्स यानी इस फिल्म में भी वो सब कुछ देखने को मिलेगा। उम्मीद यही है कि ये फिल्म न सिर्फ बड़े लेवल पर बनी होगी, बल्कि दुनिया भर के दर्शकों के दिल को भी गहराई से छू जाएगी।

संजय लीला भंसाली के निर्देशन में बनी यह फिल्म, जो अपनी बारीक कहानी और शानदार विजुअल वर्ल्ड के लिए जाने जाते हैं, स्केल और गहराई दोनों का बेहतरीन मेल पेश करने की उम्मीद है। लव एंड वॉर हिंदी, तमिल और तेलुगु में रिलीज होगी। बता दें, इससे पहले रणबीर कपूर की मोस्ट अवेटेड फिल्म रामायण दिवाली 2026 के मौके पर रिलीज होने जा रही है। फिल्म का बजट 4000 करोड़ रुपये है।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित। शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034 Website: aryavartkranti.com
*सम्पादक: प्रभात पांडेय सम्पर्क: 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail.com